लखनऊ

रविवार 15 जून 2025
वर्ष : 10 । अंक: 329
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

आशावादी व्यक्ति हर आपदा में एक अवसर देखता है; निराशावादी व्यक्ति हर अवसर में एक आपदा देखता है। - विन्सटन चर्चिल

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

संक्षेप

शुभांशु शुक्ला का एक्सिओम-4 मिशन 19 जून को होगा लॉन्च, इसरो ने दिया अपडेट

नईदिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री कैप्टन शुभांशु शुक्ला का अंतरिक्ष जाने वाला एक्सिओम-4 मिशन अब 19 जून को लॉन्च हो सकता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुताबिक एक्सीओम स्पेस कम्पनी ने फॉल्कन 9 रॉकेट में हुए लिक्विड ऑक्सीजन लीक को दूर कर लिया है। इस खामी की वजह से 11 जून को लॉन्च टालना पड़ा था। इसरो, एक्सिओम स्पेस और स्पेस- एक्स के बीच बैठक के दौरान ऑक्सीजन रिसाव को सफलतापूर्वक ठीक करने की पुष्टि की है। एक्सिओम स्पेस ने बताया कि वे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर ज्वेजदा सर्विस मॉड्यूल में दबाव विसंगति का आकलन करने के लिए नासा के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एक्सिओम स्पेस की अब इस मिशन को 19 जून को लॉन्च करने का लक्ष्य है। इससे पहले रॉकेट के बूस्टर में लिक्विड ऑक्सीजन (एलओएक्स) का रिसाव के कारण 11 जून को प्रस्तावित लॉन्च टाल दिया गया था। एक्सिओम-4 मिशन की लॉन्चिंग अब तक कई बार टल चुकी है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर दिया जोर, कहा- यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। दिल्ली में एक सम्मेलन में मंत्री ने यह भी कहा कि संगठनों को समय की आवश्यकता के अनुसार लचीला और कठोर बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। ताकि उनके हित सुरक्षित रहें और वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अपने संगठन के वित्तीय हितों के लिए प्रचलित रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने अफसोस जताया कि मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, लेकिन कहीं न कहीं यह अवधारणा विफल हो गई है और अन्य देश अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के केंद्र बन गए। उन्होंने आशा जताई कि भारत शीघ्र ही अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का नया केंद्र बनकर उभरेगा। सम्मेलन में ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि समय ही धन है, इसलिए मध्यस्थता की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने की जरूरत है। वाणिज्यिक विवादों का समयबद्ध तरीके से निपटारा करना व्यापार तंत्र के लिए आवश्यक है। साथ ही मध्यस्थता को अधिक कॉर्पोरेट और कम कानूनी बनाना चाहिए। अरुण कुमार सिंह ने कहा कि विवाद के मुख्य तीन कारण होते हैं। पहला अधिकारियों का अत्यधिक रूढ़िवादी होना, जो अपनी जान बचाने के लिए जिम्मेदारी दूसरे पर डाल देते हैं। दूसरा विक्रेताओं का अत्यधिक आशावादी होना, जो कम बोली पर ठेके ले लेते हैं और बाद में काम पूरा करने में विफल हो जाते हैं और स्थिति से बचने के लिए विवाद पैदा करते हैं। जबकि तीसरा अनुबंधों में कठोरता, जो कार्य को पूरा करना कठिन बना देती है।

ग्राहकों से वादा कर टाइम पर फ्लैट की पजेशन न देना पड़ेगा बहुत महंगा, सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डर्स को लेकर क्या आदेश दे दिया?

नई दिल्ली, एजेंसी। वो बिल्डर्स जो ग्राहकों से वादा करने के बाद भी वक्त पर फ्लैट की डिलीवरी नहीं देते हैं। उन्हें अब ये बहुत महंगा पड़ने वाला है। ग्रेटर मोहाली ए रि या डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमएडीए) बनाम अनुपम गर्ग एवं अन्य के मामले में हाल ही में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि देरी या डिलीवरी न होने की स्थिति में डेवलपर्स को पीड़ित घर खरीदारों को ब्याज सहित मूल राशि वापस करनी होगी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि डेवलपर्स खरीदारों द्वारा अपने घरों के वित्तपोषण के लिए लिए गए व्यक्तिगत ऋण पर ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। फैसले में, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि डेवलपर्स को घर खरीदारों को देरी या डिलीवरी न होने की स्थिति में ब्याज सहित मूल राशि वापस करनी होगी।

उपभोक्ता अदालत ने क्या फैसला दिया था

जस्टिस संजय करोल और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने पिछले सप्ताह मोहाली के सेक्टर 88 में जीएमएडीए के 'पूरब प्रीमियम अपार्टमेंट' प्रोजेक्ट से उपजे विवाद में यह फैसला सुनाया। खरीदार अनुपम गर्ग और राजीव कुमार ने 2012 में 2-बीएचके फ्लैट बुक किए थे और क्रमशः ₹50.46 लाख और ₹41.29 लाख जमा किए थे। उन्हें लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) के तहत मई 2015 तक कब्जा देने का वादा किया गया था, जिसमें देरी होने पर 8% ब्याज के साथ रिफंड का आश्वासन भी दिया गया था। धीमी प्रगति और वादा किए गए लेआउट और सुविधाओं से बड़े विचलन का हवाला देते हुए, खरीदारों ने 2016 में रिफंड की मांग की। जब GMADA ने इसका विरोध किया, तो उन्होंने पंजाब राज्य उपभोक्ता आयोग का रुख किया।

स्टेट कंज्यूमर कोर्ट का फैसला

1. जो रकम जमा कराई गई, उसे वापस करो
2. जमा रकम पर 8 फीसदी सालाना ब्याज
3. मानसिक प्रताड़ना के एवज में मुआवजा
4. केस में खर्च पैसों का भी भुगतान
5. बैंक लोन के ब्याज की भरपाई GMADA करे

खरीदार ने पैसे कहां से लाए इससे डेवलपर को कोई मतलब नहीं

हालाँकि, GMADA ने खरीदारों के ऋण ब्याज का भुगतान करने के निर्देश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी। अपने फ़ैसले में न्यायालय ने फिर से पुष्टि की कि देरी से कब्ज़ा मिलने पर खरीदार उचित ब्याज के साथ धन वापसी का हकदार है। बेंच ने बैंगलोर डेवलपमेंट अथॉरिटी बनाम सिंडिकेट बैंक में अपने पहले के फ़ैसले का हवाला देते हुए कहा कि जहां विकास प्राधिकरण... कब्ज़ा नहीं देता है... तो आवंटी उचित ब्याज के साथ धन वापसी का हकदार है। पीठ ने जीडीए बनाम बलबीर सिंह मामले का हवाला देते हुए कहा कि मुआवजा मामले के तथ्यों के अनुसार अलग-अलग होना चाहिए। ऐसे मामलों में जहां धनराशि वापस की जा रही है... मुआवजा अनिवार्य रूप से अधिक होना चाहिए।

उपभोक्ता को उसका मुआवजा पाने का हक

हालांकि, न्यायाधीशों ने कई मदों के तहत मुआवज़ा देने से इनकार कर दिया। डीएलएफ होम्स पंचकूला बनाम डी.एस. ढांडा का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जब पक्षकार मुआवज़ा देने के लिए सहमत हो गए हैं तो मुआवज़ा और ब्याज देने के लिए कई मद नहीं हो सकते। न्यायमूर्ति करोल ने कहा कि 8% ब्याज दिया गया। निवेश से वंचित होने के लिए मुआवज़ा है... प्रतिवादियों द्वारा लिए गए ऋण पर ब्याज की कोई राशि नहीं दी जा सकती थी। न्यायालय ने GMADA की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया - ऋण ब्याज घटक को हटा दिया, लेकिन उपभोक्ता आयोगों द्वारा दी गई शेष राहत को बरकरार रखा। GMADA को कोई अतिरिक्त राशि जमा नहीं करानी होगी, और राज्य आयोग के पास पहले से मौजूद धन को खरीदारों को वितरित कर दिया जाएगा।

नीट यूजी परीक्षा का परिणाम घोषित, राजस्थान के महेश कुमार ने किया टॉप

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट यूजी परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। इस परीक्षा में राजस्थान के महेश कुमार ने टॉप किया है। 12 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा को क्वालिफाई किया है। बता दें कि 22 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा दी थी। कैंडिडेट अपना स्कोरकार्ड भी नीट की ऑफिशियल वेबसाइट से ही डाउनलोड कर सकते हैं। टॉप 10 में 9 लड़के और एक लड़की है। वहीं टॉप 100 छात्रों को 99.9 परसेंटाइल मिले हैं।

छात्रों को परीक्षा का परिणाम देखने के लिए सबसे पहले नीट की आधिकारिक वेबसाइट 'नीटडॉटएनटीएडॉटएनआईसीडॉटइन ' पर जाना होगा। वेबसाइट के होमपेज पर नीट 2025 रिजल्ट लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद अपना लॉगिन क्रेडेंशियल दर्ज करें और सबमिट करें। इसके बाद रिजल्ट देखें और स्कोरकार्ड डाउनलोड कर लें। परीक्षा परिणाम जारी करने से पहले एनटीए ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर नीट यूजी परीक्षा 2025 की अंतिम उत्तर कुंजी जारी कर दी है।

एनटीए ने बताया कि सभी उम्मीदवार अब आधिकारिक एनटीए वेबसाइट पर अंतिम उत्तर कुंजी देख सकते हैं। एनटीए की ओर से नीट यूजी की परीक्षा 4 मई को आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में 20 लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। रिजल्ट के साथ ही मेरिट लिस्ट, कट-ऑफ और स्कोरकार्ड भी जारी किए जाएंगे।

विमान दुर्घटना के बाद से अब तक 270 शव अहमदाबाद सिविल अस्पताल लाए गए: चिकित्सक

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया विमान दुर्घटना के बाद अब तक कुल 270 शव अहमदाबाद सिविल अस्पताल में लाए गए हैं। अस्पताल के चिकित्सकों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने पहले मरने वालों की संख्या 265 बताई थी। अधिकारियों ने कहा कि पिछले 24 घंटे में, शहर की दमकल टीम ने विमान दुर्घटनास्थल से एक शव और शरीर के कुछ अंग बरामद किए हैं।

बीजे मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. धवल गमेती ने कहा, विमान दुर्घटनास्थल से अब तक लगभग 270 शव सिविल अस्पताल लाए गए हैं। डीएनए नमूनों का मिलान करके शवों की शिनाख्त की प्रक्रिया अभी जारी है।

'शानदार विरासत मलबे का ढेर बनी', कांग्रेस बोली– गाजा प्रस्ताव पर भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम के लिए पेश प्रस्ताव पर मतदान से भारत की गैरमौजूदगी शर्मनाक है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने हमेशा फलस्तीन का पक्ष लिया, लेकिन इस शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।

'यह मानवीय त्रासदी'

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'यह बेहद शर्मनाक है कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में युद्धविराम प्रस्ताव पर मतदान से दूरी बनाई। भारत हमेशा से शांति, न्याय और इंसानी अस्मिता का समर्थक रहा है। फलस्तीन में 60 हजार से ज्यादा लोग मारे गए हैं और इनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। हजारों लोग भूख से मर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मदद भी रोक दी गई है। यह मानवीय त्रासदी है। भारत ने हमेशा फलस्तीन का समर्थन किया है और यह सिद्धांतों की बात है न कि रणनीति की, लेकिन आज शानदार विरासत को मलबे में बदल दिया गया है।'

'गाजा की पूरी आबादी को भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहने पर भारत सरकार की आलोचना की। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा कि भारत सरकार ने तब स्टैंड लेने से इनकार कर दिया, जब गाजा में 60 हजार लोग मारे जा चुके हैं और गाजा की पूरी आबादी को बंद करके रखा गया है और उन्हें भूख से मरने के लिए छोड़ दिया गया है। प्रियंका गांधी ने लिखा कि ये शर्मनाक है कि हमारी सरकार न सिर्फ गाजा के मुद्दे पर चुप है बल्कि इस्राइल सरकार के ईरान पर हमले की भी खुशी मना रही है, जबकि ईरान के पूरे नेतृत्व को मार दिया गया है। कांग्रेस महासचिव ने सवाल किया कि देश, संविधान के सिद्धांतों और आजादी के मूल्यों को कैसे छोड़ सकता है। आज दुनिया में भेदभाव बढ़ रहा है, हमें मानवता के लिए आवाज उठानी चाहिए और सच्चाई और अहिंसा के साथ पूरी निडरता के साथ खड़े होना चाहिए।

अंकों में हेराफेरी का वादा करने वाले दो ठगों को CBI ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को एजेंसी द्वारा जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, NEET UG 2025 उम्मीदवारों और उनके परिवारों को बड़ी रकम के बदले परीक्षा के अंकों में हेरफेर करने का झूठा वादा करके धोखा देने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने 9 जून को महाराष्ट्र के सोलापुर और नवी मुंबई के रहने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था, कथित तौर पर दावा करने के लिए कि उन्हें NEET परीक्षा आयोजित करने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) के अधिकारियों तक पहुंच है।

जांच में नवी मुंबई और पुणे में प्रवेश परामर्श फर्म चलाने वाले आरोपियों और अन्य लोगों के बीच संबंधों का भी पता चला। आरोपियों से बरामद मोबाइल फोन के फोरेंसिक विश्लेषण से उम्मीदवारों के विवरण, रोल नंबर, एडमिट कार्ड, स्कैन की गई ओएमआर शीट और हवाला-आधारित वित्तीय लेनदेन रिकॉर्ड सहित कई महत्वपूर्ण सबूत सामने आए। सीबीआई ने 9 जून, 2025 को सोलापुर के संदीप शाह और नवी मुंबई के सलीम पटेल के साथ-साथ अज्ञात अन्य लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के लिए मामला दर्ज किया। आरोपियों ने कथित तौर पर कम अंक वाले NEET उम्मीदवारों को निशाना बनाया, उन्हें आश्वासन दिया कि वे आंतरिक हेरफेर के माध्यम से अपने अंक बढ़ा सकते हैं - प्रति उम्मीदवार 90 लाख रुपये के भुगतान पर एक प्रस्ताव, बाद में 87.5 लाख रुपये में बातचीत हुई।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि आरोपियों ने मुंबई के परेल में होटल आईटीसी ग्रैंड सेंट्रल में अभिभावकों के साथ बैठकें कीं। इन बैठकों के दौरान, आरोपियों ने दावा किया कि उनकी NTA के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुँच है और वे NEET UG 2025 के परिणामों में छेड़छाड़ कर सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों को यह भी आश्वासन दिया कि उम्मीदवारों को आधिकारिक परिणाम घोषित होने से छह घंटे पहले उनके बढ़े हुए अंक प्राप्त होंगे। संदीप शाह को 9 जून को मुंबई में गिरफ्तार किया गया था, जबकि उसके साथी सलीम पटेल को एक दिन बाद महाराष्ट्र के सांगली जिले में पकड़ा गया था।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर दिया जोर, कहा- यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संस्थागत मध्यस्थता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। दिल्ली में एक सम्मेलन में मंत्री ने यह भी कहा कि संगठनों को समय की आवश्यकता के अनुसार लचीला और कठोर बनने के लिए तैयार रहना चाहिए। ताकि उनके हित सुरक्षित रहें और वे राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अपने संगठन के वित्तीय हितों के लिए प्रचलित रास्ते पर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने अफसोस जताया कि मध्यस्थता भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, लेकिन कहीं न कहीं यह अवधारणा विफल हो गई है।

कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 7,400 पर पहुंची, पिछले 24 घंटे में 269 मरीज मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के मामलों में फिर उछाल देखने को मिला है। शनिवार को कोरोना के कुल मामले बढ़कर 7,400 पर पहुंच गए हैं। पिछले 24 घंटे में 269 नए मरीज सामने आए हैं। गुरुवार को देश में केवल 33 नए मामले सामने आए थे, लेकिन 24 घंटे में इनकी संख्या बढ़ता चिंता की बात है। हालांकि, ठीक होने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। पिछले 24 घंटे में 991 मरीज ठीक होकर अपने घरों को लौट गए हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या अब 87 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 9 मरीजों की मौत हुई है।

महाराष्ट्र में सर्वाधिक 4 और केरल में 3 मरीजों की मौत हुई है। इसी तरह, राजस्थान और तमिलनाडु में 1-1 मरीज ने अपनी जान गंवाई है।

कोरोना की दोबारा से शुरुआत होने के बाद से लेकर अब तक महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25, केरल में 23 और कर्नाटक में 11 मरीजों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 132 मरीज कर्नाटक में मिले, जिससे यहां कुल मरीजों की संख्या 527 हो गई है। एक दिन में 18 मरीज ठीक हुए हैं।

इसके बाद गुजरात में 79 मरीज मिले, जिससे यहां कुल मरीज 1,437 हो गए। केरल में 24 घंटे में 54 नए मरीजों के साथ कुल संख्या 2,109 पहुंच गई है। यहां पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा 319 मरीज ठीक होकर लौटे हैं। दिल्ली में कोई नया मरीज नहीं मिला है।

अहमदाबाद विमान हादसे की उच्च स्तरीय जांच के लिए समिति गठित, 3 महीने में आएगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुजरात के अहमदाबाद में 12 मई को एयर इंडिया के एआई-171 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की उच्च स्तरीय जांच के लिए बहु विषयक समिति का गठन कर दिया है। यह समिति हादसे के कारणों की जांच करने के साथ मौजूदा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश सुझाएगी। इससे पहले नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बोइंग के 787 ड्रीमलाइनर विमानों की बेड़े की जांच के आदेश दिए थे।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, 12 जून, 2025 को अहमदाबाद से गैटविक

हवाई अड्डे (लंदन) के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय बहु-विषयक समिति का गठन किया गया है। समिति ऐसी घटनाओं को रोकने और संभालने के लिए जारी मौजूदा एसओपी और दिशानिर्देशों की जांच करेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक दिशानिर्देश सुझाएगी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह समिति संबंधित एजेंसियों द्वारा की जा रही अन्य जांचों का स्थान नहीं लेगी, बल्कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने और प्रबंधित करने के लिए बेहतर एसओपी का मसौदा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के गृह सचिव इस समिति की अध्यक्षता करेंगे। उनके अलावा, समिति में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव, गृह मंत्रालय के अतिरिक्त या संयुक्त सचिव, गुजरात सरकार से प्रतिनिधि, गुजरात राज्य आपदा प्रतिक्रिया प्राधिकरण के प्रतिनिधि, गुजरात पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), अहमदाबाद पुलिस आयुक्त, भारतीय वायुसेना महानिदेशक, नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो/महानिदेशक बीसीएएस, डीजीसीए के महानिदेशक, खुफिया ब्यूरों के विशेष निदेशक और फोरेंसिक विज्ञान सेवा निदेशालय के निदेशक को शामिल किया गया है। मंत्रालय के अनुसार, समिति में विमानन विशेषज्ञ, दुर्घटना जांचकर्ता और कानूनी सलाहकार सहित जांच में आवश्यक किसी भी अन्य सदस्य को शामिल किया जा सकता है।

समिति की सभी रिकॉर्ड तक पहुंच होगी, जिसमें उड़ान डाटा, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर, विमान रखरखाव रिकॉर्ड, एटीसी लॉग और गवाहों की गवाही शामिल है। समिति चालक दल, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और संबंधित कर्मियों का इंटरव्यू लेकर जानकारी हासिल करेगी। समिति को 3 महीने के अंदर सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इससे पहले शुक्रवार को डीजीसीए ने 787 ड्रीमलाइनर विमानों की जांच के आदेश दिए थे। आदेश के अनुसार, विमान के ईंधन, हाइड्रोलिक, इंजन कंट्रोल, एयर कंप्रेसर और टेकऑफ से जुड़े तकनीकी मानकों की जांच की जाएगी। डीजीसीए ने 2 हफ्ते में पावर एश्योरेंस चेक अनिवार्य करते हुए आदेश दिया कि 15 दिनों की तकनीकी खराबियों की समीक्षा के आधार पर मरम्मत की जाएगी। एयरलाइन को इसकी जांच रिपोर्ट डीजीसीए को जमा करनी होगी।

सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान, कई घाटी जिलों में 328 हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर में हिंसा पर काबू पाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए चलाए गए एक बड़े अभियान में सुरक्षा बलों ने 328 हथियार बरामद किए हैं। यह तलाशी अभियान मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने घाटी के पांच जिलों में चलाया। मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ल्हारी दोरजी ल्हातू ने बताया कि यह अभियान 13 और 14 जून की रात को शुरू किया गया था। उन्होंने बताया, संवेदनशील पांच घाटी जिलों के बाहरी क्षेत्रों में खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान 151 एसएलआर राइफल, 65 इनसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफलें, 5 कार्बाइन गन, 2 एमपी-5 गन समेत भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और युद्धक सामग्री बरामद की गईं।

उन्होंने इसे शांति बहाली की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण सफलता' करार दिया और कहा कि इससे राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, भारतीय सेना और असम राइफल्स ने 'स्पीयर कॉर्प्स' के तहत मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर 26 मई से 5 जून के बीच कांगपोकपी, थौबल, ककचिंग, तेंगनौपाल, बिष्णुपुर, जिरीबाम, इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में भी खुफिया सूचनाओं पर आधारित अभियान चलाया था। इन अभियानों में कुल 23 उग्रवादी गिरफ्तार किए गए थे और 40 हथियार, 9 आईईडी, ग्रेनेड, गोलाबारूद और अन्य युद्धक सामग्री बरामद की गई थी।

मकान का कब्जा हटा तो अब बना दीं नाले पर दुकानें... मोहल्लेवाले परेशान, DM से लगाई ये गुहार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के नगर पालिका इलाके में नगर पालिका के नाले पर कब्जा किया हुआ है, जिससे वहां रहने वाले लोगों को जलजमाव की समस्या का सामना करना पड़ा है। ऐसे में लोग अपनी शिकायत लेकर हाई कोर्ट पहुंचे और हाईकोर्ट ने कब्जा हटाने का आदेश दिया। लेकिन अब जब नगर पालिका नाले का निर्माण कर रहा है तो ठीक उसी के बगल में नाले के ऊपर मस्जिद के मुतवल्ली ने पांच दुकानें बना दी हैं, जिससे नाले के निर्माण में समस्या आ रही है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने फिर से जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

दरअसल, ये मामला सदर कोतवाली इलाके के झंडातर मोहल्ले का है, जहां पिछले 8-10 साल पहले नगर पालिका के नाले पर मोहल्ले की ही सुमित्रा देवी पत्नी मानिकचंद वर्मा ने कब्जा कर मकान बना लिया था। ऐसे में नाला जाम होने की वजह से यहां के स्थानीय लोगों को पिछले कई सालों से जलजमाव की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन ने उनकी समस्या को नहीं सुना था। ऐसे में स्थानीय लोगों ने पिछले दिनों हाईकोर्ट का सहारा लिया और हाईकोर्ट ने नाले पर तुरंत कार्रवाई करने का आदेश दिया था। इसके बाद नगर पालिका ने कब्जाधारी को नोटिस देकर उसके मकान को गिराया। अब सीएनडीएस नाले के निर्माण का कार्य कर रहा है। लेकिन जब कार्य अंतिम पड़ाव पर पहुंचा तो एक और समस्या खड़ी हो गई।

मस्जिद कमेटी ने नाले पर दुकानें बना दीं

वहीं नाले के निर्माण के अंतिम चरण में पहुंचने के बाद भी मोहल्लेवालों की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर एक बार फिर से वह जिलाधिकारी के पास पहुंचे और जिलाधिकारी से नाले की जमीन पर दुकान बनाकर कब्जा किए जाने की शिकायत की। अब मामले को लेकर याचिकाकर्ता श्याम चौधरी ने बताया कि नाले का निर्माण अंतिम चरण में चल रहा है और उसके आगे मस्जिद कमेटी ने नाले पर कब्जा कर दुकानें बनाई हुई हैं। इसको लेकर जिला अधिकारी को पत्र सौंपा गया है। अगर जिला प्रशासन की ओर से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है तो वह एक बार फिर से हाई कोर्ट का सहारा लेने को मजबूर होंगे।

नोटिस देकर काम खत्म कर दिया

नगर पालिका के नाले पर एक नहीं बल्कि दो लोगों ने कब्जा किया हुआ था। पहला मकान और दूसरा मस्जिद कमेटी की ओर से किया गया था। मस्जिद कमेटी की ओर से नाले के ऊपर पांच दुकानें बनाकर किराए पर दे दी गई हैं, जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से पहले भी शिकायत की थी। उस वक्त नगर पालिका ने मस्जिद कमेटी को एक नोटिस देकर काम खत्म कर दिया था। नाले पर मस्जिद कमेटी के कब्जे को हटाए जाने को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीएमओ के संरक्षण में चल रहे हैं दर्जनों अवैध पैथालॉजी एवं नर्सिंग होम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में अवैध पैथालॉजी तथा अवैध नर्सिंग होम सीएमओ के संरक्षण में चल रहे है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री का आदेश भी स्वास्थ्य महकमें के लिए बेमानी साबित हो रहा है।

बता दे कि जनपद सुल्तानपुर में कई दर्जन अवैध पैथोलॉजी तथा अस्पताल नर्सिंग होम बिना लाइसेंस के धडल्ले से चल रहे हैं लेकिन इन्हें रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री का आदेश तो है लेकिन अनुपालन हो पाना मुश्किल है क्योंकि अवध पैथोलॉजी एवं अस्पताल नर्सिंग होम के संचालको की पकड़ जिले के सीएमओ से है पैथोलॉजी एवं अस्पताल नर्सिंग होम को चलाने के लिए चाहे मानक पूरा हो या ना हो कोई फर्क नहीं पड़ता संचालक बस सीएमओ साहब का ख्याल रखें। बल्दीराय तहसील क्षेत्र अवैध पैथोलॉजी एवं नर्सिंग होम का गढ बनता जा रहा है यहां तो मानक के विपरीत पैथोलॉजी एवं नर्सिंग होम खुलेआम चलाए जा रहे हैं मरीज से धना दोहन किया जा रहा है सूत्र बताते हैं कि बल्दीराय तहसील धनपतगंज क्षेत्र के देहली बाजार बहुरांवा बल्दीराय पारा बाजार अरवल वलीपुर बघौना बाजार सहित कई बाजारो में दर्जनो अवैध पैथालाजी एंव अवैध नर्सिंग होम अस्पाताल खुलेआम चल रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि बघौना बाजार में तो विगत एक दशक से एक कमरे में बिना किसी सुविधा के ऑपरेशन रूम तैयार करके कई-कई महत्वपूर्ण ऑपरेशन किया जा रहे हैं। विगत वर्ष पूर्व स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी जांच भी की लेकिन मामला कहां सेटिंग हो गया किसी को नहीं पता यही हाल पारा बाजार का है यहां तो स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही की हद हो गई है फर्जी तरीके से चल रहे पैथोलॉजी एवं नर्सिंग होम के संचालक अपने को डिग्री धारक बताकर मरीज से आए दिन इलाज के नाम पर धना दोहन कर रहे है कई बार जांच की गई।

बेजुबानों को मिले शीतल जल

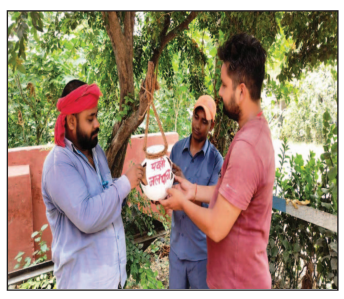

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। गर्मियों का मौसम आ गया है। सबके गले प्यास के कारण सूखने लगे हैं। हम लोग अपनी प्यास बुझाने के लिए फ्रिज या मटके का पानी इस्तेमाल करने लगे हैं। लेकिन क्या हमने ये सोचा कि पशु-पक्षियों अपने लिए पानी की व्यवस्था कैसे करते होगें,उन्हें ठंडा पानी कैसे मिलता होगा? इस बात को गंम्भीरता से लेते हुए कटका क्लब सामाजिक संस्था ने जनपद में एक मुहिम शुरू की है। इसके तहत बाजारों में मिट्टी के मटके में जल पात्र और घोंसले बनाने का काम कटका क्लब कर रही है। संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र बताते हैं कि हम सभी युवा इस भयंकर गर्मी में बेजुबानों के लिए शीतल जल और रहने के लिए घोंसले कि व्यवस्था कर रहे हैं। घर में पड़े मिट्टी के मटके के बने पात्र और उनके रहने के लिए घर बनाने का कार्य कर रहे हैं। और उन्हें अलग-अलग स्थान पर लगवाने का भी कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि बेजुबानों के लिए जो जल के साधन थे वो अब धीरे-धीरे खत्म हो रहे तो ऐसे में पशु-पक्षियों को पीने का पानी मिलना मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए संस्था ने मुहिम शुरू कि है। इस मौके पर शिवकुमार मिश्र, राजकुमार मिश्र, वैभव मिश्र, सर्वेश कांत वर्मा, शीतला प्रसाद पांडेय आदि लोग शामिल रहे।

स्कूल में पढ़ाने के दौरान प्यार, पत्नी को हुई अफयेर की जानकारी, इसलिए शादीशुदा प्रेमी ने छात्रा को मार डाला

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मैनाठेर थाना इलाके से लापता बीटीसी छात्रा किरण (29) की हत्या करने वाले उसके प्रेमी केहर सिंह का सहयोग करने के आरोप में पुलिस ने एमआर, मेडिकल स्टोर संचालक और कॉलेज के क्लर्क को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में केहर सिंह ने बताया कि उसकी पत्नी को उसके प्रेम संबंध की जानकारी हो गई थी। तब उसने छात्रा को बहाने से अपने कमरे पर बुला लिया और जहर देकर उसकी हत्या कर दी।

इसके बाद अपने साले की मदद से उसकी लाश नदी में फेंक दी थी। बृहस्पतिवार को पुलिस ने नदी से छात्रा का कंकाल बरामद किया था। मझोला थाना क्षेत्र के नगलिया मशकूला निवासी शिक्षा विभाग के कर्मचारी रामपाल ने जानकपुर निवासी केहर सिंह के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

रामपाल ने बताया था कि उनकी बेटी किरण रामगंगा विहार स्थित आरएसडी एकेडमी से बीटीसी कर रही थी। 20 मई को छात्रा घर से निकली थी। इसके बाद वापस नहीं आई। पिता ने आरोप लगाया कि केहर सिंह ने उसकी बेटी को गायब किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कुबूल कर लिया।

आरोपी ने बताया कि किरण और वह एक ही स्कूल में पढ़ाते थे। इस दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। दो साल पहले दोनों ने बीटीसी करने के लिए आरएसडी एकेडमी स्कूल में दाखिल करा लिया था। आरोपी का कहना है कि उसकी पत्नी को इसकी जानकारी हो गई थी, तब उसने किरण की हत्या करने की ठान ली थी।

आरोपी ने बताया कि मिलन विहार में उसका मकान है। उसकी पत्नी और बच्चे गांव में थे। तब उसने 20 मई को किरण को अपने कमरे पर बुला लिया था। यहां उसने छात्रा को जहरीला पदार्थ खिला दिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। उसने मोहल्ले में ही रहने वाले संभल के बनियाठेर थाना क्षेत्र के नगलिया बल्लू निवासी विशेष पाल के प्रीत विहार कॉलोनी खुशहालपुर स्थित मेडिकल स्टोर पर गया।

विशेषपाल को अपने साथ कमरे पर ले गया, आरोपी ने किरण का इलाज कराया। इस दौरान उसकी हालत बिगड़ गई। इसके बाद केहर ने आरएसडी एकेडमी में क्लर्क के पद पर तैनात अपने साथी सोनकपुर निवासी जगदीश को भी बुला लिया। आरोपी दोनों की मदद से छात्रा को अस्पताल लेकर पहुंचा, लेकिन कहीं उसे भर्ती नहीं किया गया।

छात्रा के शव को कमरे पर लेकर पहुंचे थे आरोपी

इसके बाद आरोपी ने कटघर के भैंसिया निवासी अपने मौसेरे भाई एमआर प्रमोद कुमार को भी अस्पताल में बुला लिया, लेकिन छात्रा को डॉक्टर ने भर्ती करने से इनकार कर दिया। तब तक छात्रा की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी छात्रा के शव को कमरे पर लेकर पहुंच गए।

आरोपी ने साले को दी घटना की जानकारी

इसके बाद आरोपी केसर सिंह ने अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के डोढ़ी वाजिदपुर में रहने वाले अपने साले तारेश को कॉल की और पूरी घटना की जानकारी दी। तारेश अपने भतीजे मनीष के साथ कार लेकर मिलन विहार स्थित केहर सिंह के कमरे पर पहुंच गया।

दो आरोपियों की तलाश में पुलिस

आरोपियों ने छात्रा के शव को कार में डाल लिया और छजलैट क्षेत्र के नन्हेड़ा में नदी में फेंक दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि इस मामले में मैनाठेर पुलिस ने केहर सिंह के अलावा उसका सहयोग करने वाले प्रमोद कुमार, जगदीश, विशेष पाल को गिरफ्तार कर शुक्रवार शाम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं। इसके अलावा तारेश और मनीष की तलाश में पुलिस ने उनके घर दबिश दी, लेकिन दोनों भाग गए। पुलिस टीम उनकी तलाश में लगी है।

पत्नी देती थी ताने

केहर सिंह ने बताया कि उसके प्रेम प्रसंग की भनक उसकी पत्नी को लग गई थी। इसको लेकर वह आए दिन ताने देती थी और झगड़ा करती थी। जिससे तंग आकर उसने किरण को रास्ते से हटाने की ठान ली थी। हैरानी की बात यह है कि आरोपी ने किरण की शादी पाकबड़ा थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक के साथ तय कराई थी। अक्तूबर माह में शादी होनी थी।

उम्र 70, कागजों में कर देते 40... मौत होते ही PMJJBY के जरिए करते बीमा क्लेम; बरेली में 8 ठगों ने कैसे किया लाखों का फर्जीवाड़ा?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। यूपी के बरेली जिले में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) में फर्जी क्लेम दिखाकर सरकार को लाखों का चूना लगाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। लखनऊ एसटीएफ की बरेली यूनिट ने कार्रवाई करते हुए इस गिरोह के आठ सदस्यों को भोजीपुरा रोड से गिरफ्तार किया है। ये आरोपी बुजुर्ग लोगों की कम उम्र दिखाकर उनका बीमा कराते थे और उनकी मौत के बाद क्लेम वसूल लेते थे।

एसटीएफ को इस गिरोह की जानकारी कुछ दिनों पहले मिली थी। बरेली यूनिट के अपर पुलिस अधीक्षक अब्दुल कादिर को सूचना मिली कि कुछ लोग मिलकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जी दस्तावेज लगाकर पैसे वसूल कर रहे हैं। जब गुप्त सूचना मिली कि आरोपी भोजीपुरा रोड पर मौजूद हैं, तो टीम ने दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

फर्जी दस्तावेजों से होता था बीमा

दरअसल एसटीएफ जांच में पता चला कि गिरोह के सदस्य जानबूझकर अधिक उम्र के लोगों की आयु को कम दिखाकर उनका बीमा कराते थे। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 18 से 50 वर्ष तक के लोग ही बीमा करा सकते हैं। आरोपी 60-70 साल के लोगों की उम्र 40-45 साल बताकर उनका बीमा कराते थे। फिर जब व्यक्ति की मौत हो जाती तो उसकी फर्जी पहचान से बीमा का क्लेम ले लिया जाता था।

14 क्लेम फॉर्म, 23 आधार और 66 निवास प्रमाण पत्र बरामद

ये लोग न सिर्फ उम्र की हेराफेरी करते थे, बल्कि मृतकों के फर्जी प्रमाण पत्र भी बनवाते थे। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम प्रधान, आशा कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी से फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनवाकर बीमा के लिए जमा करते थे। गिरफ्तारी के समय एसटीएफ को आरोपियों के पास से भारी मात्रा में दस्तावेज मिले। इनमें 14 फर्जी क्लेम फॉर्म, 23 आधार कार्ड, 33 बैंक पासबुक, 1 डेबिट कार्ड, 6 पैन कार्ड, 2 डायरी, एक मृत्यु प्रमाण पत्र, दो आधार कार्ड की फोटोकॉपी और एक रजिस्टर शामिल है।

इसके अलावा 66 ऐसे निवास प्रमाण पत्र मिले, जिन पर ग्राम प्रधानों, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर थे। ये दस्तावेज बीमा के लिए उपयोग किए जाते थे। टीम को 85 डाक टिकट, 3300 रुपये नकद और 12 मोबाइल फोन भी मिले हैं, जिनका इस्तेमाल इस रैकेट को चलाने में किया जाता था।

बालू लदा डंपर सवारियों से भरे टेंपो पर पलटा, तीन की मौत, तीन की हालत नाजुक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। हंडिया कोतवाली क्षेत्र के सैदाबाद इलाके में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। बालू उतारते समय एक डंपर असंतुलित होकर पास से गुज रहे टेंपो पर पलट गया। इसमें मौके पर ही तीन लोगों की मौत होने जानकारी मिल रही है। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। टेंपो में कुल आठ लोग सवार थे। हादसा दोपहर में हुआ।

वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर सिरसा मोड़ के पास हाइड्रोलिक से बालू नीचे गिराते समय डंपर टेंपो पर पलट गया। घटना के बाद चीख पुकार मच गई है। क्रेन की मदद से डंपर को उठाया गया। इसके बाद नीचे टेंपो में दबे लोगों को बाहर किया गया। इसमें तीन की मौके पर ही मौत होने की बात कही जा रही है। तीन अन्य घायल हैं, जबकि हादसे में टेंपो में सवार दो लोग बाल-बाल बच गए। टेंपो में चालक समेत कुल आठ लोग

सवार थे। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घटना को लेकर अफरातफरी मची रही। हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। इससे आवागमन भी काफी देर तक प्रभावित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन मदद से डंपर को उठवाकर घायलों को बाहर निकलवाया। मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचना दी गई।

घटना के बाद जेसीबी को बुलाकर बालू के ढेर को हटवाया गया। मौके पर दो जेसीबी को बुलाया गया। काफी मशक्कत के बाद बालू के ढेर को हटाने के बाद टेंपो में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

एसीपी गंगानगर मौके पर पहुंचे

हादसे में टेंपो बुरी तरह से नष्ट हो गया है। मृतकों के शव टेंपो में फंसे रहे। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से शवों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। एडिशनल एसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा सूचना पाकर मौके पर पहुंच गए।

गोरखपुर में मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला से गैंगरेप, पुलिस ने एक आरोपी का किया हाफ एनकाउंटर, पैर में लगी गोली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर में मानसिक रूप से विक्षिप्तमहिला से गैंगरेप के मुख्य आरोपी को शुक्रवार की देर रात गोरखपुर पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के घेराबंदी करने के बाद आरोपी युवक ने पुलिस पर फायरिंग की और भागने लगा। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में आरोपी युवक को पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। युवक बेलघाट थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ गैंगरेप का मुख्य आरोपी है।

आरोपी की पहचान बेलघाट थाना क्षेत्र के बेलाव निवासी शफीक खान उर्फ गोलू के रूप में हुई है। पुलिस ने शफीक के पास से एक तमंचा और एक खोखा भी बरामद किया है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर

जेल भेज चुकी है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। शुक्रवार की देर रात पुलिस मुखबिर की सूचना पर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हीरा मंडी गई थी।

तीन लोगों ने किया महिला से गैंगरेप

पुलिस टीम जब उसे पकड़ने गई तो वह भागने लगा। उसने पुलिस पर फायरिंग भी कर दी। इसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी शफीक उर्फ गोलू को पैर में गोली लग गई, जिसके बाद वह गिर पड़ा और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, गोरखपुर के बेलघाट थाना क्षेत्र में बुधवार को तीन आरोपियों ने एक महिला के साथ गैंगरेप किया था।

नदी के किनारे जा रही थी महिला, तभी पकड़ा

55 वर्षीय एक महिला बुधवार की शाम को शाहपुर तटबंध होते हुए नदी के किनारे जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान तीन युवकों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ रेप किया। तीनों आरोपियों के चंगुल में फंस चुकी महिला ने अपने आप को बचाने के लिए शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर जब एक महिला वहां पहुंची तो तीनों आरोपी वहां से फरार हो गए।

पीड़ित महिला के पति ने की शिकायत

इसके बाद वो महिला पीड़िता को उसके घर ले गई और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित महिला के पति ने इसकी शिकायत पुलिस से की, जिसके बाद गुरुवार को पुलिस ने आरोपी सोनू और गप्पा , मुहम्मद रजा उर्फ बबलू, और शफीक खान उर्फ गोलू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों की तलाश में जुट गई।

शुक्रवार की दोपहर पुलिस ने आरोपी सोनी और बबलू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं शुक्रवार की देर रात मुठभेड़ में तीसरे मुख्य आरोपी शफीक को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उसे भी जेल भेजने में तैयारी में जुट गई है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में विश्व रक्तदाता दिवस की धूम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। 14 जून 2025 को जिले में विश्व रक्तदाता दिवस को उत्सव की तरह मनाया गया। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ.संजय कुमार सिंह के संयोजन व प्रधानाचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान महादान शिविर, विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। रक्तदान महादान में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं और रक्तदानियों को प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ.सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि रक्तदान करने से उम्र बढ़ती है, शरीर में नई कणिकाएं बनती है, एक व्यक्ति के रक्तदान करने से कई जिंदगियां बचाई जा सकती है। रक्तदान महादान है रक्तकोष में आने वाले सभी लोगों को बिना किसी भेदभाव के रक्त हमेशा मिलता रहा है, हमारे पास कभी भी रक्त की कमी नहीं होने पाती है, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर आरके मिश्रा ने विश्व रक्तदाता दिवस पर संबोधित करते हुए कहाकिसमाज के लोगों की मदद का भाव बहुत ही सहिष्णु है, उन्हीं समाजसेवियों की सेवाभाव के चलते रक्तकोष चलता है, लोगो को जागृत करने के लिए हमें मानव सेवा करना बहुत जरूरी है, उसका बहुत बड़ा माध्यम है। सुल्तानपुर का ब्लडबैंक एक उदाहरण है जिसका नाम पूरे उत्तर प्रदेश में प्रसिद्ध है, रक्तदान करने के लिए हमारे जनपद के लोग हमेशा आगे रहते हैं, इसके लिए हम सभी लोग जनपद वासियों के आभारी हैं डॉ. संजय सिंह रक्तकोष प्रभारी ने कहाकि हमारा रक्त 120 दिन में नया हो जाता हैं।

नवचयनित 60,244 सिपाहियों को सीएम आज देंगे नियुक्ति पत्र, अमित शाह रहेंगे मौजूद, सीएम ने किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। <पुलिस विभाग के नवचयनित 60,244 सिपाहियों को रविवार को नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए डीजीपी राजीव कृष्णा ने आज वरिष्ठ अधिकारियों के साथ डिफेंस एक्सपो ग्राउंड का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

डीजीपी ने कहा कि कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ वह पूरे प्रदेश से आने वाले नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देंगे। इसके लिए व्यापक व्यवस्था की

गई है। उनके गृह जिलों से लेकर कार्यक्रम स्थल तक, हमने एक मध्यवर्ती जिला निर्धारित किया है, जहां वे रात भर रुकेंगे।

बता दें कि सिपाही नागरिक पुलिस के पदों पर 48,196 पुरुष और 12,048 महिला अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कराई गई परीक्षा के लिए कुल 48.17 लाख आवेदन आए थे। जिनमें से 15.49 लाख महिलाएं थीं। सबसे अधिक अभ्यर्थी आगरा (2,349) से चयनित हुए थे। वहीं अन्य राज्यों बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि से भी 1,145 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

सीएम योगी ने डिफेंस एक्सपो मैदान का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम को नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र बांटने के लिए वृंदावन योजना स्थित कार्यक्रम स्थल डिफेंस एक्सपो मैदान का निरीक्षण किया। यहां पर सीएम ने अधिकारियों के साथ सभी तैयारियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री के साथ प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण और लखनऊ पुलिस कमिश्नर भी उपस्थित रहे।

बता दें कि रविवार को राजधानी के डिफेंस एक्सपो मैदान में नवचयनित सिपाहियों को नियुक्ति पत्र बांटने के लिए प्रदेश सरकार की ओर से बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री से पहले डीजीपी राजीव कृष्ण ने भी कार्यक्रम स्थल का दौरा कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि हजारों चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए कड़े सुरक्षा प्रबंध और यातायात व्यवस्था की तैयारी की जा रही है। डिफेंस एक्सपो मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम दोपहर 12 बजे शुरू होगा। इसमें वह सभी अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिन्होंने हाल ही में यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

लखनऊ में कांग्रेस का 'भागीदारी न्याय महासम्मेलन', संगठन सृजन में सामाजिक न्याय को बनाया जाएगा मूल आधार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग द्वारा शनिवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के प्रांगण में ₹भागीदारी न्याय महासम्मेलन₹ का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय ने की, जबकि आयोजन के संयोजक हाल ही में नियुक्त किए गए प्रदेश पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव रहे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिन्द मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और राष्ट्रीय सचिव-सह प्रभारी प्रदीप नरवाल शामिल रहे। सम्मेलन का संचालन जितेंद्र पटेल ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अनिल जयहिन्द ने कहा कि देश के 90 प्रतिशत पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक रोजाना शोषण का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने इसके लिए आरक्षण की 50% सीमा और संवैधानिक संस्थाओं में अनुपातहीन प्रतिनिधित्व को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जननायक राहुल गांधी के नेतृत्व में बहुजन समाज को अब न्याय और अधिकार मिलेगा, क्योंकि आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी का समय अब आ चुका है।राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय ने सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2025 कांग्रेस का संगठन सृजन वर्ष है और इस प्रक्रिया का केंद्रीय आधार सामाजिक न्याय रहेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में संगठन में भागीदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बहुजन समाज से आह्वान किया कि वे कांग्रेस से जुड़कर इस न्याय अभियान को सफल बनाएं।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सभी वर्गों के अधिकार तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब संविधान सुरक्षित हो। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार न तो संविधान की रक्षा कर रही है और न ही वह जातिगत जनगणना को ईमानदारी से लागू करेगी। राहुल गांधी तेलंगाना मॉडल को देशभर में लागू करने की मांग कर रहे हैं, ताकि सामाजिक न्याय की बुनियाद मजबूत हो सके।कार्यक्रम के संयोजक मनोज यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग विभाग प्रदेशभर में शोषित और वंचित समाज की आवाज बनेगा और भाजपा सरकार की पक्षपाती नीतियों के खिलाफ मुखर रहेगा।

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को लेकर लखनऊ में यातायात डायवर्जन व्यवस्था लागू

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 15 जून को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना, लखनऊ में आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाने के मद्देनज़र राजधानी में व्यापक स्तर पर यातायात व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है।यातायात पुलिस लखनऊ के अनुसार, कार्यक्रम के सफल संचालन और सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत 14 जून को शाम 4 बजे से लेकर 15 जून को कार्यक्रम समाप्ति तक लखनऊ के कई मार्गों पर बड़े वाहनों, बसों, कमर्शियल वाहनों और सामान्य यातायात को डायवर्ट किया गया है।डायवर्जन व्यवस्था विशेष रूप से वृंदावन योजना, शहीद पथ, अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी मोड़, उतरेठिया अंडरपास, तेलीबाग, बंगलाबाजार, पीजीआई, कालिंदी पार्क, सेक्टर-7सी से लेकर सेक्टर-19 तक के विभिन्न चौराहों और मार्गों पर प्रभावी रहेगी।डायवर्जन के अनुसार, इन मार्गों से गुजरने वाला यातायात वैकल्पिक मार्गों से होते हुए अपने गंतव्य तक जाएगा। कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर सामान्य यातायात को रोक दिया गया है और आवश्यकतानुसार सेक्टरवार अलग-अलग मार्गों के लिए वैकल्पिक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।हालांकि, आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड, स्कूली वाहन, शव वाहन आदि को विशेष परिस्थितियों में प्रतिबंधित मार्गों से भी अनुमति दी जाएगी, बशर्ते वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध न हो।जनता से अपील की गई है कि निर्धारित डायवर्जन व्यवस्था का पालन करें और अनावश्यक यात्रा से बचें।

प्रेम जाल में फंसाकर नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने एक महिला से प्रेम संबंध का झांसा देकर दुष्कर्म करने, मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान मानवेंद्र प्रताप सिंह (28 वर्ष), निवासी देवरिया अटरिया, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में अहलादपुर, लखनऊ स्थित कृष्णा अस्पताल के पास किराये के मकान में रह रहा था।पीड़िता ने 28 मार्च, 2025 को डाक के माध्यम से शिकायत भेजी थी, जिसमें उसने बताया कि मानवेंद्र ने उसे प्रेम संबंध में फंसाकर नशीला पदार्थ दिया और बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर 13 जून की रात करीब 11:05 बजे पुलिस टीम ने अहलादपुर स्थित किराए के मकान में छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आई.एम.आर.टी. में एम बी ए छात्रों को टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी (आई एम आर टी) में आज एम बी ए के विद्यार्थियों के लिए स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत टैबलेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को डिजिटल शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री देशराज बंसल चेयरमैन आई. एम. आर. टी. ने छात्रों को टैबलेट वितरित किए और डिजिटल युग में तकनीक की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "आज की शिक्षा प्रणाली में तकनीकी साधनों का उपयोग अत्यंत आवश्यक हो गया है। टैबलेट जैसे उपकरण छात्रों को अध्ययन में सहायता प्रदान करते हैं और उनकी उत्पादकता को बढ़ाते हैं।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिल्पिका पांडेय निदेशक आई. एम. आर. टी. ने की। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य अपने छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा और संसाधन उपलब्ध कराना है। टैबलेट वितरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।"

इस कार्यक्रम में एम बी ए छात्रों को टैबलेट प्रदान किए गए। छात्रों ने इस पहल के लिए संस्थान का आभार प्रकट किया और कहा कि यह उनके अध्ययन को अधिक प्रभावी और सुविधाजनक बनाए।

कारगिल में सर्वोच्च बलिदान करने वाले परिवार को किया सेना ने सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान करने वाले शहीद सुनील महंत की मां को शुक्रवार को सेना ने उनके घर जाकर सम्मानित किया। इस मौके पर शहीद की मां की आंखे नम हो गई।

शहीद सैनिक सुनील महंत की मां बीना ने बताया कि उनके घर की तीन पीढ़ियों से लोग सेना ज्वाइन कर देश की सेवा में रहे है। उन्होने बताया कि उनके ससुर नबूल महंत सेना में मेजर के पद पर रहे। उन्होंने 1962 में भारत चीन युद्ध मे भाग लिया था। उन्होंने बताया कि उनके पति नर नारायण महंत सूबेदार के पद पर रहे। उन्होने 1971 में भारत पाकिस्तान में हुए युद्ध मे अपना कौशल दिखाया था। वह रिटायर होने के बाद सुशान्त गोल्फ सिटी के मंदाकिनी अपार्टमेंट में रह रहे है। पिछले दो वर्षों से वह बीमार चल रहे है। बेटा सुनील महंत सेना में राइफल मैन के पद पर था। 1999 में कारगिल युद्ध मे बीरगति को प्राप्त हुए। उनके इस बलिदान को देखते हुए सेना के लोग उनके घर पहुंच कर हाल जाना तथा उन्हें सम्मानित किया।

पुण्यतिथि पर याद किये गये परमेश्वर दत्त प्रजापति : योगदान पर विमर्श

लखनऊ। अखिल भारतीय प्रजापति कुम्भकार महासंघ द्वारा संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय परमेश्वर दत्त प्रजापति नाजिर को उनकी 46वीं पुण्यतिथि पर बैरिहवां स्थित कार्योलय पर याद किया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता करते हुए दिनेश कुमार प्रजापति ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमे उनके बताये हुए रास्ते पर चलते हुए समाज की उन्नति के लिये काम करते रहना चाहिए। स्व नाजिर समाज की उन्नति के लिए निरंतर काम करते रहे।उनके सुपुत्र जनार्दन प्रजापति, पौत्र पुरूषोत्तमनथ प्रजापति ने कहा कि समाज में फैली कुरितियों को दूर करने के लिए उनका योगदान प्रजापति समाज भुला नहीं पायेगा। बड़े सुपौत्र पदुमनाथ प्रजापति ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रजापति समाज को आगे बढ़ाने के लिए हमें एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राममिलन प्रजापति ने कहा कि स्व नाजिर के द्वारा समाज हित मे किये कार्यों से हमें प्रेरणा लेकर समाज के उत्थान के लिए काम करने का संकल्प लेना होगा।

गोसाईगंज में जिला कारागार के बाहर से बाइक चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, 6 घंटे में पुलिस ने की बरामदगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना गोसाईगंज पुलिस ने तेज़ कार्रवाई करते हुए जिला कारागार के बाहर से चोरी की गई मोटरसाइकिल की वारदात को महज छह घंटे में सुलझा लिया। दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गई अपाचे मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है।जानकारी के अनुसार, वादी नीरज रावत निवासी ग्राम निजामपुर मझिगवां, थाना गोल्फ सिटी, 13 जून की सुबह लखनऊ के जिला कारागार में किसी जानने वाले बंदी से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने अपनी अपाचे मोटरसाइकिल (UP32-GY-1694) जेल गेट के बाहर खड़ी कर दी थी। मुलाकात के बाद बाहर आने पर मोटरसाइकिल गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद सफलता न मिलने पर उन्होंने थाना गोसाईगंज में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मु.अ.सं. 282/25 धारा

303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत संदिग्धों और वाहनों की चेकिंग शुरू की। चेकिंग के दौरान सूचना मिली कि दो व्यक्ति एक मोटरसाइकिल को धक्का देकर सेमरापीतपुर गांव की ओर ले जा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को रोका, जिनसे पूछताछ करने पर उन्होंने चोरी की बात स्वीकार कर ली।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जितेंद्र प्रसाद (निवासी बल्दीखेड़ा, थाना गोसाईगंज) और सुमित कुमार (निवासी भावाखेड़ा, थाना मोहनलालगंज) के रूप में हुई है। पूछताछ में उन्होंने बताया कि दिन में मोटरसाइकिल चोरी कर उसे झाड़ियों में छिपा दिया था। रात में बेचने ले जा रहे थे कि रास्ते में मोटरसाइकिल की चैन टूट गई, जिससे उन्हें धक्का देकर ले जाना पड़ रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।थाना गोसाईगंज की इस सफलता में उप निरीक्षक ऋषभ पांडेय, उप निरीक्षक धर्मपाल सिंह, कांस्टेबल दीपक शाह और कांस्टेबल यादुवेंद्रनाथ यादव शामिल रहे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

आयुष्मान योजना में घोटाले का आरोप: संजय सिंह ने योगी सरकार पर साधा निशाना, 10 करोड़ की गड़बड़ी का दावा

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र की आयुष्मान भारत योजना में बड़े घोटाले का खुलासा करते हुए योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बीते चार दिन पहले आयोजित एक प्रेसवार्ता में संजय सिंह ने कहा था कि आयुष्मान योजना के तहत केवल 22 दिनों में 6,239 फर्जी मरीजों के नाम पर 39 अस्पतालों को 10 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया, जबकि न कोई मरीज अस्तित्व में था और न ही उनका कोई इलाज हुआ।संजय सिंह ने आरोप लगाया कि यह घोटाला सरकार के संरक्षण में हुआ है और दोषी अस्पतालों के खिलाफ कार्यवाही के नाम पर केवल खानापूरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ अस्पतालों से सिर्फ ₹रिकवरी₹ की प्रक्रिया शुरू कर दिखाने की कोशिश की है, लेकिन सच्चाई यह है कि अभी तक अधिकांश अस्पतालों से एक रुपये की वसूली नहीं हो सकी है।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की पश्चिम जोन से हुई समीक्षा बैठक की शुरुआत, 18 सूत्री कार्ययोजना के तहत बूथ स्तर तक संगठन विस्तार का लक्ष्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में देशभर में चल रहे संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में भी संगठन निर्माण को लेकर गंभीर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में शनिवार को प्रदेश के पश्चिम जोन से समीक्षा बैठकों की शुरुआत हुई।लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित इस समीक्षा बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना', राष्ट्रीय सचिव व सह प्रभारी प्रदीप नरवाल, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह और निवर्तमान प्रदेश महासचिव अनिल यादव प्रमुख रूप से मौजूद रहे।बैठक में पश्चिम जोन के 14 जनपदों—सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, संभल, मेरठ, बिजनौर, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर और गौतमबुद्ध नगर—के जिला एवं शहर अध्यक्षों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।अविनाश पाण्डेय ने कहा कि संगठन को सामाजिक न्याय के मूल्यों के अनुरूप तैयार किया जाना है, जैसा कि राहुल गांधी की सोच है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन में महिलाओं, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को समुचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर से तैयार की गई 18 सूत्री कार्ययोजना के तहत हर बिंदु के लिए निश्चित समयसीमा तय की गई है ताकि कार्य पूरी प्रतिबद्धता और अनुशासन के साथ पूरे किए जा सकें। पाण्डेय ने कहा कि आगामी 100 दिन संगठनात्मक दृष्टि से बेहद निर्णायक होंगे। जिस पांच स्तरीय ढांचे का निर्माण इन दिनों हो रहा है, वही पार्टी की आगामी पंचायत और विधानसभा चुनावों में शक्ति का आधार बनेगा।उन्होंने सभी जिला एवं शहर अध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे जल्द से जल्द बूथ स्तर तक संगठनात्मक ढांचा खड़ा करें और समयबद्ध ढंग से रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अविनाश पाण्डेय ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली कमजोर पाई गई है, उन्हें या तो चेतावनी दी जाएगी या आवश्यकतानुसार परिवर्तन भी किया जाएगा।कांग्रेस का यह संगठन सृजन अभियान प्रदेश में संगठन को न सिर्फ पुनः सक्रिय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, बल्कि इसके ज़रिए आगामी चुनावों के लिए जमीनी ताकत भी मजबूत की जा रही है।

लखनऊ में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार, तीन मोटरसाइकिल बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के ग्रामीण क्षेत्र में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की माल व रहीमाबाद थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। तीन शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। आरोपी लंबे समय से लखनऊ और आसपास के इलाकों में वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस गिरफ्त में आए अभियुक्त चोरी की गई बाइकों की नंबर प्लेट हटाकर उन्हें सस्ते दामों में बेचने की फिराक में थे, तभी उन्हें दबोच लिया गया।पुलिस की गिरफ्त में आए अभियुक्तों की पहचान दिनेश कुमार उर्फ लाला (निवासी कलुवा खेड़ा, थाना रहीमाबाद), रामरतन (निवासी लोधखेड़ा, थाना माल), और निशांत (निवासी लोधखेड़ा, थाना माल) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने एक

बाइक हरदोई के एक होटल से, दूसरी इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से और तीसरी डालीगंज मेला क्षेत्र से चोरी की थी। तीनों बाइक – पैशन प्रो (UP30Y4791), स्प्लेंडर प्लस (UP34BJ1842), और स्प्लेंडर प्लस (UP32NX1970) – चोरी होने की पुष्टि संबंधित थानों में दर्ज मुकदमों के आधार पर की गई।गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला गया, जिसमें सामने आया कि दिनेश, रामरतन और निशांत के खिलाफ इटौंजा और माल थाने में पहले भी वाहन चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। इस गिरोह का तरीका यह था कि वे मेला, भीड़भाड़ वाले इलाके या बाजार से मोटरसाइकिल चोरी करते, फिर उनकी नंबर प्लेट हटाकर उन्हें दूर-दराज के इलाकों में बेच देते थे।पुलिस टीम ने और जानकारी जुटाने के लिए आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। तीनों के खिलाफ थाना माल पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। वाहन चोरों की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक मो. रोशन, उप निरीक्षक प्रिंस कुमार, उप निरीक्षक रजनीश कांत भारती व उनकी टीम की अहम भूमिका रही।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी की मोटरसाइकिल हाल में चोरी हुई हो तो वह निकटतम थाने से संपर्क कर विवरण साझा करें, जिससे अगर बरामद बाइक उनके वाहन से मेल खाती है तो उन्हें वापस की जा सके।

दो चाय विक्रेता को गैराज में बनाया बंधक, बेल्ट से पीटकर उधेड़ी चमड़ी, जानें पूरा मामला

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार स्थित हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के सामने चाय की दुकान लगाने वाले दो दोस्तों पर कार सवार रईसजादों ने मोबाइल चोरी का आरोप लगाया। तलाशी के बाद बेल्ट और वायर से पीटकर दोनों की चमड़ी उधेड़ दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार, बेल्ट और वायर बरामद कर लिया है।

मूल रूप से बलिया के त्रिलोक मंदा निवासी अनिल कुमार वर्मा साथी रामेश्वर मौर्य निवासी मधुवन मऊ के साथ गोमतीनगर विस्तार सेक्टर -4 स्थित हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के सामने चाय की दुकान लगाते हैं। पीड़ित ने बताया कि 12 जून को कुछ लोग दुकान पर चाय पीने आए थे। ग्राहक का मोबाइल कहीं गुम हो गया। इस पर ग्राहकों ने अनिल और रामेश्वर पर मोबाइल चोरी का आरोप लगाया।

सुशांत गोल्फ सिटी में मोबाइल छिनैती करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मोबाइल छिनैती की दो घटनाओं का पर्दाफाश करते हुए पांच सदस्यीय गिरोह को पकड़ा है, जिसमें दो वयस्क अभियुक्तों के साथ तीन बाल अपचारी शामिल हैं। गिरोह के कब्जे से चोरी किए गए पांच मोबाइल फोन और एक बिना कागजात की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फ्लैट संख्या C-055, अर्बन बड्स अपार्टमेंट निवासी आशीष श्रीवास्तव और अयोध्या निवासी अक्षय यादव ने हाल ही में मोबाइल छिनैती की दो अलग-अलग घटनाओं की शिकायत थाना सुशांत गोल्फ सिटी में दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।14 जून को उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा अपनी टीम के साथ कैंसर चौराहे पर चेकिंग

कर रहे थे, तभी तीन युवक संदिग्ध अवस्था में मोटरसाइकिल पर आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने पर उन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान गोलू रावत (निवासी सौनई कजेहरा) के पास से एक सैमसंग ए33 मोबाइल मिला, जिसकी पहचान पीड़ित आशीष श्रीवास्तव की चोरी की गई मोबाइल के रूप में हुई। अभिषेक कश्यप (निवासी कटरा बक्कास) के पास से एक Nothing A142 मॉडल का मोबाइल और एक बाल अपचारी के पास से नीले रंग का वीवो मोबाइल बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे पांच दोस्त मिलकर मोबाइल छिनैती की घटनाएं अंजाम देते थे। तीन लोग बाइक से घूमते और दो लोग अलग-अलग जगहों पर खड़े रहकर आने-जाने वालों की रेकी करते थे। वे मुख्यतः सुबह-शाम टहलने वाले राहगीरों को निशाना बनाते थे और छीने गए मोबाइल को आपस में बांट लेते थे।आरोपियों की निशानदेही पर दो और बाल अपचारी गिरफ्तार किए गए जिनके पास से OPPO A7 (रोज गोल्ड) और सैमसंग गैलेक्सी A03 (ब्लैक) मोबाइल बरामद हुए। छिनैती में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (UP32 NZ 2985) को भी बिना वैध दस्तावेज मिलने पर 207 MV Act के तहत सीज कर दिया गया।पकड़े गए दो अभियुक्तों में गोलू रावत पूर्व में भी चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध पहले भी थाना सुशांत गोल्फ सिटी में चोरी और नकबजनी के दो मुकदमे दर्ज हैं।थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस टीम की इस कार्रवाई में उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा समेत टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे। पकड़े गए वयस्क अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है, जबकि तीनों बाल अपचारियों को बाल संरक्षण गृह भेजा गया है।

मोदी युग के 11 वर्ष और अजमेर की विकास यात्रा

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पिछले 11 वर्ष एक निर्णायक और परिवर्तनकारी दौर के रूप में दर्ज किए जा रहे हैं। वर्ष 2014 में केंद्र की सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो परिवर्तनकारी नीतियाँ और योजनाएँ देश में लागू की गईं, उनका व्यापक प्रभाव आज देश के हर कोने में महसूस किया जा रहा है — और अजमेर संसदीय क्षेत्र इसका सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' जैसे मूल मंत्रों के साथ मोदी सरकार ने गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित तबकों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। यही कारण है कि इस कालखंड को '11 ईयर ऑफ गरीब कल्याण' के नाम से रेखांकित किया जा रहा है।

नींव से आत्मनिर्भरता तक की यात्रा पहला कार्यकाल (2014–2019) में सरकार ने जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों गरीबों को बैंकिंग से जोड़ा, स्वच्छ भारत मिशन से शौचालय निर्माण और स्वच्छता को गति दी, उज्ज्वला योजना ने रसोई घरों से धुंआ हटाया और प्रधानमंत्री आवास योजना ने लाखों को सिर पर छत दी।

दूसरे कार्यकाल (2019–2024) में सरकार ने PM किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, गरीब कल्याण अन्न योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान, और MSP में वृद्धि जैसी योजनाओं के जरिए सीधे लोगों के जीवन को छुआ। वहीं तीसरे और वर्तमान कार्यकाल (2024–वर्तमान) में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की प्रतिबद्धता के साथ डिजिटल इंडिया, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार और अमृत भारत स्टेशन योजना जैसे कार्यक्रमों को नई गति मिली है।

कृषि और किसान कल्याण मोदी सरकार का आधार स्तंभः मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों में किसान हित प्रमुखता से शामिल है। PM किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 12 करोड़ से अधिक किसानों को हर साल 6,000 की आर्थिक सहायता दी जा रही है। फसल बीमा योजना, ड्रोन तकनीक का उपयोग, MSP में बढ़ोतरी और ई-नाम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कृषि क्षेत्र को नया आत्मबल दिया है। अजमेर के विकास की मिसालः अजमेर संसदीय क्षेत्र, जिसने ऐतिहासिक, धार्मिक और शैक्षणिक दृष्टि से देश में अपनी पहचान बनाई है, अब बुनियादी ढांचे और जनकल्याण के क्षेत्र में भी एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे और यातायात में क्रांतिकारी परिवर्तनः राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन का संचालन अजमेर से हुआ। 498 करोड़ की लागत से अजमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास। 52 किमी नई लाइन, 145 किमी लाइन विस्तार, और 186 किमी दोहरीकरण के लिए 200 करोड़ से अधिक की स्वीकृति। स्वास्थ्य और शिक्षा में निवेशः कायड़ में मेडिकल कॉलेज का निर्माण, 100 बेड का ESIC अस्पताल किशनगढ़ में स्वीकृत। PM केयर फंड से वेंटिलेटर और ऑक्सीजन संयंत्र। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 175 करोड़ के विकास कार्य।

सड़क और पुल निर्माणः 10 फ्लाईओवर, 350 करोड़ की लागत से स्वीकृत। किशनगढ़–अहमदाबाद हाईवे को छह लेन में बदला जा रहा है— सिर्फ अजमेर हिस्से में ही 1200 करोड़ की परियोजना। ग्रामीण सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 500 करोड़ से अधिक के कार्य प्रगति पर। शहरी विकास की दिशा में अग्रसरः अजमेर स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 990 करोड़ के 107 में से 90 कार्य पूर्ण। जल जीवन मिशन के तहत 746 करोड़ के कार्य स्वीकृत।

जनकल्याण योजनाओं का धरातली प्रभावः अजमेर संसदीय क्षेत्र में PM आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, जनधन, स्वच्छ भारत, स्वनिधि और गरीब कल्याण अन्न योजना जैसी योजनाओं से हजारों परिवारों के जीवन स्तर में ठोस सुधार देखने को मिला है। बदला भारत, बढ़ा भारत प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों का कार्यकाल केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इन योजनाओं का सीधा प्रभाव आमजन के जीवन में दिखा है। अजमेर क्षेत्र में जो कार्य हुए हैं, वे इस बात का प्रमाण हैं कि जब नेतृत्व स्पष्ट विजन के साथ काम करता है, तो स्थानीय विकास भी राष्ट्रीय उन्नति का हिस्सा बन जाता है। 11 वर्ष का यह कालखंड भारत के बदलाव, विकास और आत्मबल का प्रतीक बन चुका है। अजमेर की प्रगति इस परिवर्तनशील भारत की एक जीवंत तस्वीर है।

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है।

प्रह्लाद सबनानी

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णतः अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916 करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है। वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है।

इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था। अप्रत्यक्ष कर की मद की तुलना में प्रत्यक्ष कर की मद से अधिक कर राशि का संग्रहण होना यह भी दर्शाता है कि भारत में नागरिकों की कर देने योग्य आय में वृद्धि दर अधिक है एवं आय कर अदा करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय सुधार हो रहा है। अर्थात, देश में उच्च आय अर्जित करने वाले नागरिकों एवं मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिक अब तेज गति से मध्यमवर्गीय नागरिकों की श्रेणी में परिवर्तित हो रहे हैं।

यदि भारत के नागरिक लगातार इसी प्रकार की आर्थिक तरक्की करते रहे तो केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों के लिए देश में पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने एवं समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाये रखने में किसी भी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। किसी भी देश के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए वित्त की अनुपलब्धता ही मुख्य समस्या के रूप में सामने आती है। परंतु, देश के नागरिक जो गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यमवर्गीय अथवा उच्चवर्गीय परिवारों की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं, वे यदि केंद्र एवं राज्य सरकारों की वित्त व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तो भारत के लिए आर्थिक विकास की दर को दहाई के आंकड़े तक ले जाने में कोई बहुत अधिक समय नहीं लगने वाला है। केंद्र सरकार, विभिन्न राज्य सरकारों एवं निजी क्षेत्र द्वारा देश में गरीब वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के साथ ही यदि पूंजीगत खर्चों में भी वृद्धि की जाती है तो देश के नागरिकों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित होते हैं एवं इससे देश के नागरिक देश की आर्थिक तरक्की में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत में भी इसी प्रकार की व्यवस्था खड़ी होती हुई दिखाई दे रही है, जिसका डंका पूरे विश्व में बज रहा है।

अजब-गजब

कौए की हिम्मत के आगे जैगुआर ने मानी हार, देखिए पक्षी ने कैसे निकली हेकड़ी

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक हैरान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक छोटे से कौए की हिम्मत के आगे एक खूंखार जैगुआर घुटने टेकते हुए नजर आता है। यह दृश्य वाकई में चौंकाने वाला है, नेटिजन्स अब कौए की बहादुरी की दाद दे रहे हैं।

वायरल हो रहे वीडियो देखा जा सकता है कि एक घर के बाहर एक पालतू जैगुआर पट्टे से बंधा बैठा है, ठीक वैसे ही जैसे कोई पालतू कुत्ता बंधा होता है। वहीं, पास ही में एक कौआ भी मौजूद है, जो लगातार जैगुआर से पंगे लेने की हिमाकत करते हुए दिखाई दे रहा है।

यह सीन देखकर पहली नजर में कोई भी सोचेगा कि जैगुआर तो एक ही वार में इस पक्षी को काम तमाम कर देगा। लेकिन वीडियो में जो कुछ भी होता हुआ दिखाई देता है, वो आपकी सोच से बिल्कुल उलट है।

वीडियो में आप देखेंगे कि कौआ जैगुआर के बिल्कुल करीब आ जाता है, और फिर अपनी तेज 'कांव-कांव' से उसे डराने की कोशिश करता है। हैरानी की बात यह है कि खूंखार शिकारी जानवर होने के बावजूद जैगुआर कौए पर अटैक करने के बजाय उठकर दूर भागने की कोशिश करने लगता है। ये भी देखें:Viral Videoः बबलू बंदर ने इंटरनेट पर मचाया कोहराम! देख लोग बोले- ये AI कुछ भी कर सकता है

कुल मिलाकर कौए की लगातार कांव-कांव और उसके निडर व्यवहार ने जैगुआर को असहज कर दिया। @alexanderkremen इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर हुए इस वीडियो को देखकर नेटिजन्स हैरान हैं, और कौए की हिम्मत की जमकर तारीफ कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि इस पक्षी ने तो जैगुआर की हेकड़ी निकाल दी।

ब्लॉग

आखिरकार इजरायल द्वारा ईरान पर रणनीतिक हमला किए जाने के वैश्विक मायनों को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

लीजिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निर्माता कम्पनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता क्या नहीं करता? आखिरकार बत्तीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बर्बादी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है। वहीं, इस्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13% बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्राइल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए।

यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21% ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरुआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी

परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

लूट, हत्या और रंगदारी...45 केस, कौन है कुख्यात अपराधी चंदन सिंह? जिसे हुई उम्रकैद

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का कुख्यात अपराधी चंदन सिंह को आजीवन कारावास की सजा हुई। चंदन सिंह को अब पूरी उम्र जेल में सजा काटनी होगी। गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के कुशहरा निवासी कुख्यात टॉप 10 अपराधियों में शामिल चंदन सिंह को कोर्ट ने 50 हजार जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। चंदन सिंह को चिलुआताल थाना क्षेत्र के डोहरिया बाजार में दिवाली के दिन सरेआम गोली मारकर हत्या करने के मामले में कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई और साथ ही 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

अब चंदन सिंह गौतमबुद्धनगर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता

धर्मेंद्र दुबे और अतुल शुक्ला के कुशल पैरवी पर अपर सत्र न्यायाधीश अवनीश कुमार राय की कोर्ट ने चंदन सिंह को दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया। चंदन सिंह पर हत्या और हत्या की कोशिश समेत 45 केस दर्ज हैं। कुख्यात माफिया चंदन सिंह गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के कुशहरा का रहने वाला है। वर्तमान में चंदन सिंह गौतमबुद्ध नगर जेल में सजा काट रहा है।

चंदन सिंह पर 45 मुकदमे दर्ज

चंदन सिंह रंगदारी मांगने और नहीं देने पर हत्या के लिए कुख्यात रहा है। चंदन सिंह पर जेल में रहने के बावजूद रंगदारी मांगने का भी आरोप है। चंदन सिंह पर 6 हत्या, 8 हत्या की कोशिश, रंगदारी और लूट समेत कुल 45 मुकदमे दर्ज हैं। कुख्यात अपराधी चंदन सिंह और उसके गुर्गे 2010 में रंगदारी न देने वालों के यहां फायरिंग कर देते थे। चंदन सिंह और उसके गैंग पर कार एजेंसी मालिक, तीन डॉक्टर, कोचिंग सेंटर संचालक, नगर पंचायत अध्यक्ष गोरखपुर के दो बड़े व्यापारी समेत कई लोगों से रंगदारी मांगने का आरोप है। चंदन सिंह को रंगदारी मांगने के मामले में 6 और 7 साल की सजा पहले ही हो चुकी है। चंदन सिंह को इंजीनियर और ठेकेदार से रंगदारी मांगने के मामले में भी पहले ही सजा हो चुकी है।

उम्रकैद और 50 हजार का जुर्माना

13 नवंबर 2012 को चिलुवाताल थाना क्षेत्र के डोहरिया बाजार में चंदन सिंह ने दीवाली के दिन दोपहर में सारेआम संतोष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता धर्मेंद्र दुबे और अतुल शुक्ला की पैरवी पर अपर सत्र न्यायाधीश (Additional Sessions Judge) अवनीश कुमार राय की कोर्ट ने दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा के साथ 50 हजार का जुर्माने लगाया है।

दो बार पुलिस कस्टडी से फरार

गोरखपुर के भगत चौराहे पर व्यापारी तारक जायसवाल पर रंगदारी का विरोध करने पर उसकी दुकान पर चंदन सिंह के साथियों ने गोली चलाई थी। उसके साथियों ने दूसरी दुकान पर फायरिंग कर टेंपो चालक समेत दो लोगों की जान ले ली थी। उरुवा बाजार में एक दुकान पर अधिवक्ता श्रीमंत लाल श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या की थी। चंदन सिंह दो बार पुलिस कस्टडी से चकमा देकर फरार भी हो चुका है। चंदन सिंह के गैंग में 18 सदस्य हैं, जिसमें उसका भाई नंदन भी शामिल है।

रेस्क्यू ऑपरेशन से नहीं मिली सफलता सरयू नदी में छह दिन बाद उतराता मिला युवक का शव

आर्यावर्त संवाददाता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। सरयू नदी के मनीराम पुरवा घाट के पास भैंस नहलाते समय ग्राम रानीपुरवा मजरे मुड़िया डीह का 22 वर्षीय बलराम यादव डूब गया था स्थानीय गोताखोरों व एस डी आर एफ टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन किया किन्तु लाश नहीं मिली थी।घटना के छठे दिन आज लाश सरयू नदी में जंहा युवक डूबा था नदी के दूसरे छोर पर करीब 100 मीटर दूरी पर क्षति ग्रस्त लाश दिखी ग्रामीणों ने सूचना टिकैत नगर थाना पुलिस और राजस्व प्रशासन सिरौलीगौसपुर को दिया। उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह के निर्देश के क्रम में लेखपाल आनन्द कुमार यादव,थाना प्रभारी टिकैतनगर आदि पुलिस की टीम के साथ मौके पर पंहुच कर जाल डलवा कर नदी से बाहर निकलवा कर शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। ग्राम प्रधान दिग्विजय सिंह, भाजपा नेता संदीप सिंह पूर्व प्रधान सुधीर कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

डिप्टी डायरेक्टर ने दांतों से काट दी थी रिटायर्ड इंजीनियर की नाक, अब कोर्ट से नहीं मिली बेल, कौन हैं क्षितिज मिश्रा?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के बिठूर थाना क्षेत्र में एक फ्लैट मालिक और सोसाइटी सचिव के बीच पार्किंग को लेकर विवाद हो गया था, जिसमें फ्लैट मालिक ने सचिव की अपने दांतों से नाक चबा डाली थी। इससे सचिव बुरी तरह से घायल हो गए थे और उनकी नाक से बहुत खून बहा था। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया था। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसने इस मामले में कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। लेकिन अब कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी है।

बिठूर के नारामऊ में स्थित अपार्टमेंट रतन प्लैनेट में रहने वाले रिटायर्ड टेक्सटाइल इंजीनियर रूपेश सिंह यादव गंभीर रूप से घायल हुए थे। उनके बेटे ने जानकारी देते हुए बताया कि वह रतन प्लैनेट के A ब्लॉक के फ्लैट नंबर 202 में रहते हैं। इसी सोसाइटी के D ब्लॉक के फ्लैट नंबर 1505 में क्षितिज मिश्रा रहते हैं, जो एक्सपोर्ट इंस्पेक्शन

एजेंसी में डिप्टी डायरेक्टर पद पर तैनात हैं।

ये घटना 25 मई की है, जब क्षितिज की अलॉट पार्किंग में किसी और ने अपनी गाड़ी खड़ी कर दी थी। इससे वह नाराज हो गया और गाली गलौज शुरू कर दी और सोसाइटी सचिव रूपेश को फोन कर गाड़ी हटाने के लिए कहा। इस पर रुपेश सिंह ने गार्ड को बोलकर वहां से गाड़ी हटाने की बात कही। लेकिन आरोपी क्षितिज ने गुस्से में रूपेश को मौके पर बुलाया। जब रुपेश नीचे गए तो क्षितिज ने रूपेश पर हमला कर दिया और उनकी नाक दांतों से काट डाली, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को मिला था।

जमानत याचिका खारिज कर दी गई

पुलिस ने इस मामले में जांच पड़ताल के बाद आरोपी क्षितिज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और मुकदमा भी दर्ज किया था। ADJ कोर्ट में आरोपी के डिप्टी डायरेक्टर के वकील ने जमानत याचिका दाखिल की थी। तब भी अभियोजन पक्ष ने इसका जमकर विरोध किया था। कोर्ट में कहा गया कि घटना में नाक के आगे का मांस दांतों से चबाया गया है। ये घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। आगे कहा गया कि इसमें आरोपी में समझ की कमी और गुस्से पर काबू न रख पाने वाले हिंसक कृत्य शामिल हैं। नाक के ऊपरी हिस्से पर चोट लगने से पीड़ित को जिंदगी भर जान का खतरा रहेगा। क्योंकि उसे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। ये कहते हुए कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी।

11000 बोल्टेज के दस केवीए ट्रांसफार्मर से तेल का हो रहा रिसाव

पटेहरा, मीरजापुर। विकास खंड के दीपनगर विद्युत पावर हाउस अंतर्गत रामचंदरपुर फीडर के खनवर मझारी में जयराम पांडेय के बोरिंग के पास लगा ग्यारह हजार बोल्टेज का पोल टेढ़ा होने से दस केवीए के ट्रांसफार्मर का तेल रिसाव कर नीचे जमीन पर गिर रहा है। इस समय वैसे भी अघोषित विद्युत कटौती से क्षेत्र परेशान है।उस पर भी टेढ़े पोल से ट्रांसफार्मर जलने का भय किसान को सता रहा है जिससे अपना केबिल भी उतार लिया है।दीपनगर पावर हाउस क्षेत्र के सभी फीडर के अधिकांश ग्यारह हजार के पोल टेढ़े हो गए है।कागज पर मेंटीनेंश का कार्य तो हो जाता है। लेकिन पटल पर कोई भी काम नही दिखता।तनिक भी तेज तूफान चली कि फॉल्ट आ जाते है।अब आगे बरसात आ रही है। अब ही टेढ़े पोल सही नही हुए तो फॉल्ट सुधारने के लिए टेढ़े पोल पर लाइन मैन को चढ़ना भी खतरनाक होता है। देखना है तो किसी भी फीडर पर ग्यारह हजार के पोल टेढ़े देखे जा सकते है।

जंगल में ले जाकर दरिंदगी... 14 साल की पोती से रेप, अब दोषी दादा को 20 साल की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में 14 साल की एक किशोरी से रेप के मामले में एक 65 साल के बुजुर्ग व्यक्ति को कोर्ट ने 20 साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इतना ही नहीं कोर्ट ने आरोपी पर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हैरानी की बात ये है कि किशोरी से रेप के आरोप में जिस व्यक्ति को दोषी पाया गया और सजा सुनाई गई है, वो किशोरी का रिश्ते में दादा लगता है।

आरोपी को सजा सुल्तानपुर जिले के दिवानी स्थित पॉक्सो एक्ट कोर्ट में स्पेशल जज नीरज कुमार श्रीवास्तव ने सुनाई। किशोरी से रेप का ये मामला पिछले साल का है। ये मामला पिछले साल की 11 फरवरी का है। 16 महीने में कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाते हुए इस केस का निपटारा कर दिया। कोर्ट और

अभियोजन पक्ष की सक्रियता के कारण ऐसा हो पाया।

जंगल में ले जाकर किया रेप

पीड़िता के पिता के आरोप के अनुसार, पिछले साल 11 फरवरी को वो काम से बाहर गए थे। उनकी पत्नी मायके गई थी। इसी दौरान उनके घर पर उनकी बहन का ससुर (यानी बेटी के बुआ का ससुर) पहुंचा। उसने उनकी बेटी से पानी मांगा। इसके बाद आरोपी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ जंगल की ओर ले गया और वहां उसके साथ रेप किया।

आरोपी ने विश्वास का घोंटा गला

पीड़ित पक्ष के अनुसार, रिश्तेदार होने के चलते किशोरी ने आरोपी पर विश्वास किया और उसके साथ चली गई थी, लेकिन आरोपी ने विश्वास का गला घोंट दिया और घिनौनी हरकत को अंजाम दे डाला। पुलिस ने आरोपी के खिलफ आरोपपत्र दाखिल किया था। रेप के इस घिनौने मामले में पुलिस की कार्रवाई और कोर्ट की तत्काल सुनावई की चर्चा इलाके के लोगों के बीच हुई।

सोशल मीडिया पर लोगों ने फैसले की तारीफ

इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर भी घटना और कोर्ट के फैसले की खूब चर्चा हुई। सोशल मीडिया पर लोगों ने घटना और कोर्ट के फैसले की तारीफ की और खूब साझा भी किया। 16 महीने में कोर्ट द्वारा दिए गए इस फैसले का स्वागत ज्यादातर लोगों ने किया। साथ ही ये मांग भी की कि आरोपी को और कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

थाना दिवस में 12 शिकायतों में से दो का किया गया निस्तारण

आर्यावर्त संवाददाता

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। थाना सम्पूर्ण समाधान दिवस कोतवाली बदोसरांय नायब तहसीलदार दिनेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता एंव प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बदोसरांय सन्तोष कुमार के संयोजन में हुआ जिसमें कुल 12 शिक़ायती प्रार्थना पत्र आये 2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण भी किया गया है। शनिवार को कोतवाली बदोसरांय के आगन्तुक कक्ष में थाना सम्पूर्ण समाधान दिवस नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में आयी हुई शिकायतों को नायब तहसीलदार व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बदोसरांय ने मनोयोग पूर्वक सुनकर सम्बन्धित राजस्व व पुलिस कर्मियों को शिकायतों का गुणवत्ता युक्त निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं।इस मौके पर राजस्व निरीक्षक प्रेमचंद,अजय रावत, शुभेन्द्र अवस्थी, उपनिरीक्षक सालिक राय, उपनिरीक्षक हिमांशू पान्डेय विश्वनाथ कान्स्टेबल रवि सरोज आदि मौजूद रहे।

क्या AI से बनाया गया था सीएमओ का ऑडियो? वायरल होने के बाद भड़के कानपुर डीएम, बोले– अगर फेक है तो एफआईआर करवाएं

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ हरिदत्त नेमी का वायरल ऑडियो का विवाद गहरा गया है। शनिवार को एक बैठक के दौरान डीएम ने सीएमओ को बैठक के बाहर कर दिया। डीएम ने कहा कि अगर ऑडियो आपका नहीं है तो किसने AI का इस्तेमाल करके आपका ऑडियो बनाया इसकी जांच करिए और एफआईआर दर्ज कराएं। इससे पहले डीएम ने कई मामलों में अनियमिताओं को देखते हुए शासन में पत्र भेजा था और सीएमओ को पद से हटाने की संस्तुति की थी।

कानपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ। हरिदत्त नेमी इन दिनों गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। उन पर डॉक्टरों के उत्पीड़न, कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार, और शासनादेशों की अवहेलना जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। मामला इतना संगीन हो गया है कि जिलाधिकारी

जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को पत्र लिखकर डॉ। नेमी को पद से हटाने की सिफारिश की है।

सीएमओ का कथित ऑडियो वायरल होने के बाद बढ़ा विवाद

इसी दौरान एक ऑडियो वायरल हुआ है, जिसको सीएमओ का ऑडियो बताया जा रहा है। इस ऑडियो में व्यक्ति कानपुर के डीएम के लिए आपत्तिजनक बातें बोल रहा है। शनिवार को सभागार में डीएम की अध्यक्षता में डैशबोर्ड की बैठक चल रही थी, जिसमें सीएमओ भी मौजूद थे।

अगर ऑडियो AI का है तो FIR कराइए

प्रशासन के सूत्रों के अनुसार इस बैठक में डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सीएमओ से कहा कि आपका जो ऑडियो वायरल हो रहा है, जिसको आप बता रहे हैं कि आपका नहीं है, AI से बनाया गया है तो फिर इसकी जांच करिए। डीएम ने सीएमओ से कहा कि आपकी प्रतिष्ठा का सवाल है और यह उचित होगा कि आप जाएं और इस ऑडियो बनाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराएं।

सूत्रों ने बताया कि यह कहकर डीएम ने सीएमओ को जाने को कहा। इस मामले में सीएमओ का पक्ष जानने के लिए उनको फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसके बाद उनको व्हाट्सएप पर मैसेज भी किया गया, लेकिन उन्होंने मैसेज का जवाब भी नहीं दिया।

विकसित भारत संकल्प सभा में राज्यमंत्री ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

आर्यावर्त संवाददाता

दरियाबाद, बाराबंकी। विधानसभा के मंडल देवीगंज स्थित टिकरा बाजार में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

राज्य मंत्री ने क्षेत्रवासियों से संवाद के दौरान मोदी-योगी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का 11 वर्ष का कार्यकाल भारत के भविष्य के लिए मजबूत नींव का काल रहा है। मंत्री ने प्राकृतिक खेती और सॉइल हेल्थ कार्ड की महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इनमें आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शामिल थे। साथ ही पीएम आवास योजना, उज्जवला योजना, विश्वकर्मा योजना और किसान सम्मान योजना की भी जानकारी दी गई। मंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम पोषण अभियान, जल जीवन मिशन और स्वामित्व योजना के बारे में भी बताया। जन-धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की भी चर्चा की गई। कृषि क्षेत्र में नैनो उर्वरक के उपयोग, स्वाइल हेल्थ कार्ड और उन्नत कृषि यंत्रों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

8 पिलरों पर टिका ये पेड़ 300 साल से भी पुराना, तस्वीरें हो रहीं वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश का सहारनपुर आज भी अपनी पुरानी चीजों को धरोहर के रूप में संजोए हुए हैं। इसी में एक साइकस का पेड़ भी शामिल है, जो इस शहर के बीच में स्थित उद्यान विभाग में है।

उत्तर प्रदेश का सहारनपुर आज भी अपनी पुरानी चीजों को धरोहर के रूप में संजोए हुए हैं। इसी में एक साइकस का पेड़ भी शामिल है, जो इस शहर के बीच में स्थित उद्यान विभाग में है। सहारनपुर का यह उद्यान विभाग कभी कंपनी गार्डन के नाम से जाना जाता था, लेकिन कुछ सालों पहले ही इसका नाम बदलकर अब सुभाष चंद्र बोस उद्यान कंपनी बाग कर किया गया है। सहारनपुर का यह उद्यान विभाग कभी कंपनी गार्डन के नाम से जाना जाता था, लेकिन कुछ सालों पहले ही इसका नाम

बदलकर अब सुभाष चंद्र बोस उद्यान कंपनी बाग कर किया गया है।

कंपनी बाग की स्थापना 1750 में इंतिजामुद्दौला ने की थी। फिर गुलाम कादिर ने 1776 में उद्यान का जीर्णोद्धार कराया था। इस कंपनी बाग में मुगलों के वंशजों ने ये साइकस का पेड़ लगाया। कंपनी बाग की स्थापना 1750 में इंतिजामुद्दौला ने की थी। फिर गुलाम कादिर ने 1776 में उद्यान का जीर्णोद्धार कराया था। इस कंपनी बाग में मुगलों के वंशजों ने ये साइकस का पेड़ लगाया। इस साइकस के पेड़ की उम्र अब 300 साल से ज्यादा हो चुकी है। पेड़ बुजुर्ग है। इस पेड़ ने आजादी की लड़ाई भी देखी है, जिसकी देखभाल कंपनी बाग के कर्मचारी एक बुजुर्ग की तरह ही करते हैं। इस साइकस के पेड़ की उम्र अब 300 साल से ज्यादा हो चुकी है। पेड़ बुजुर्ग है। इस पेड़ ने आजादी की लड़ाई भी देखी है, जिसकी देखभाल कंपनी बाग के कर्मचारी एक बुजुर्ग की तरह ही करते हैं। दूर-दूर से लोग इस 300 साल पुराने साइकस के पेड़ को देखने के लिए आते हैं। साथ ही इस पेड़ के साथ फोटो और सेल्फी लेना भी पसंद करते हैं। लगातार बढ़ रहे इस साइकस के पेड़ को संभालने के लिए बुजुर्ग की लाठी की तरह ही 8 पिलर बनाए गए हैं, जिनके जरिए इस पेड़ को सहारा मिलता है।

दूर-दूर से लोग इस 300 साल पुराने साइकस के पेड़ को देखने के लिए आते हैं। साथ ही इस पेड़ के साथ फोटो और सेल्फी लेना भी पसंद करते हैं। लगातार बढ़ रहे इस साइकस के पेड़ को संभालने के लिए बुजुर्ग की लाठी की तरह ही 8 पिलर बनाए गए हैं, जिनके जरिए इस पेड़ को सहारा मिलता है। कंपनी बाग में पुष्प प्रजनक डॉ पूनम सिंह यादव ने बताया यह साइकस का पेड़ बहुत ही पुराना है। साइकस में आमतौर पर शाखाएं नहीं होती हैं। शाखाओं समेत साइकस का पेड़ इसी केंद्र पर स्थापित है और इस पेड़ को देखने के लिए बहुत लोग आते हैं। यह पेड़ या तो जापान के ओकायामा यूनिवर्सिटी में लगा है या फिर सहारनपुर में यह पेड़ लगा है। इस पेड़ की उम्र का अंदाजा इस पेड़ में रिंग बनती है उससे लगाया जाता है।

कंपनी बाग में पुष्प प्रजनक डॉ पूनम सिंह यादव ने बताया यह साइकस का पेड़ बहुत ही पुराना है। साइकस में आमतौर पर शाखाएं नहीं होती हैं। शाखाओं समेत साइकस का पेड़ इसी केंद्र पर स्थापित है और इस पेड़ को देखने के लिए बहुत लोग आते हैं। यह पेड़ या तो जापान के ओकायामा यूनिवर्सिटी में लगा है या फिर सहारनपुर में यह पेड़ लगा है। इस पेड़ की उम्र का अंदाजा इस पेड़ में रिंग बनती है उससे लगाया जाता है।

अंतिम संस्कार में गए पांच युवक सरयू में डूबे, तीन को बचाया गया... जुड़वा भाई लापता; तलाश जारी

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकर नगर। यूपी के अंबेडकरनगर में शनिवार को अंतिम संस्कार में शामिल होने गए पांच युवक नहाते समय सरयू में डूब गए। लोगों ने देखा तो शोर मचाया। तैराकी जानने वाले लोगों ने किसी तरह तीन को बचा लिया। जबकि, जुड़वा भाई धारा में बह गए। सूचना पर पहुंची प्रशासनिक टीम उनकी तलाश करा रही है। घटना टांडा कोतवाली क्षेत्र के महादेव घाट की है। क्षेत्र के कश्मीरिया मोहल्ला निवासी रामनवल की मौत हो गई थी। उनके अंतिम संस्कार में मोहल्ले के लोग गए थे। इसमें शामिल होने सकरावल पश्चिम मोहल्ला निवासी चन्द्रशेखर आजाद के बेटे अजय आजाद (26) और विजय आजाद (26) के अलावा अभिषेक (30) पुत्र अर्जुन, बब्बन (24) पुत्र पप्पू और गोरे (25) पुत्र शंकर भी गए थे।

पाचों नहाने सरयू में नहा रहे थे। नहाते समय गहराई में जाने से पांचों युवक डूब गए। आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो शोर मचाया। तैराकी जानने वाले लोग आगे बढ़े। वहीं स्थानीय गोताखोर त्रिभुवन यादव नाव लेकर आगे बढ़े। गोताखोरों ने बब्बर, गोरे और अभिषेक को किसी तरह बाहर निकाल लिया। लेकिन, अजय और विजय नदी की धारा में बह गए।

सूचना पर एसडीएम रेनू, सीओ शुभम कुमार, तहसीलदार निखलेश कुमार तथा कोतवाल दीपक सिंह रघुवंशी मौके पर पहुंच गए। टीम गोताखोरों की मदद से लापता युवकों की तलाश करा रही है। खबर मिलने के बाद घर में कोहराम मच गया।

जापानी लोगों की ये 7 आदतें कर लें रूटीन में शामिल, खुद में बदलाव पर नहीं होगा यकीन!

जैपनीज लाइफस्टाइल हमेशा से अपनी हेल्दी फूड हैबिट्स और सही रूटीन के लिए जानी जाती रही है। यहां के लोग अपनी हेल्थ का काफी ध्यान रखते हैं। जापान सबसे स्वस्थ्य देशों में से एक है। ये देश अपनी हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए हमेशा से आगे रहा है। तो आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 7 जैपनीज हैबिट्स हैं जिन्हें अपनाकर आप एक स्वस्थ्य जीवन जी सकते हैं।

पूरी दुनिया में जापानी लोगों को अच्छे लाइफस्टाइल को फॉलो करने में सबसे बेस्ट माना जाता है. बैलेंस्ड और हल्की डाइट लेते हुए रूटीन को हेल्दी कैसे बनाना चाहिए इसकी सीख जापानियों से ली जा सकती है. खानपान में अधिकतर उबला हुआ लेने वाले ये लोग सब्जियां, चावल, मछली, सोया प्रोडक्ट्स और ग्रीन टी के अलावा सीजनल फलों को खाने पर ज्यादा फोकस करते हैं. ऐसी कई आदतें हैं जो जापानी अपने लाइफस्टाइल में अपनाते हैं इनमें टुकड़ों में डाइट लेना, कम खाना, पैदल ज्यादा चलना, मेडिटेशन करना, कम नमक और शुगर का सेवन शामिल है. इस तरह के लाइफस्टाइल को फॉलो करके हेल्दी लाइफ पाई जा सकती है.

दरअसल, आजकल के मॉर्डन युग में लोग गलत आदतों की वजह से अपनी लाइफस्टाइल को खराब कर रहे हैं. जिसकी वजह से उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. पर अगर आप अपनी लाइफस्टाइल में सुधार लाना चाहते हैं तो अपने जीवन को जितना सिंपल और कल्चर को ध्यान में रहकर जिएंगे उतना ही आपके लिए फायदेमंद होगा. अगर आप हेल्दी लाइफस्टाइल की तरफ आगे बढ़ना चाहते हैं तो जापान के लोगों से कुछ बातें सीखनी चाहिए जिससे आपकी लाइफ ईजी बनेगी.

जीवन में खुश रहने के लिए अपनाएं ये 7 जापानी आदतें

कम पोर्सन में खाना खाएं

आप खाने में क्या खा रहे हैं ये बात डिसाइड करती है कि आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य कैसा होगा. आप अपनी प्लेट में बहुत सारा खाना रखने की जगह. कम मात्रा में खाने को रखें ताकि कोई भी चीज़ वेस्ट न हो और आप सारी चीजों का स्वाद ले पाएं.

80 प्रतिशत पेट भरने तक ही खाएं

अक्सर कई लोग ऐसा करते हैं कि अगर उन्हें कोई खाने की चीज़ पसंद आती है तो वो जरूरत से ज्यादा उसे खा लेते हैं जिसकी वजह से उन्हें एसिडिटी और डाइजेशन प्रॉब्लम्स हो जाती है. ओवरइटिंग की आदत की वजह से मोटापे की समस्या भी हो सकती है. इसके लिए जापान के ओकीनावा में हरा हाची बू की एक फिलोस्फी में वो लोगों को 80 प्रतिशत पेट भरने तक ही खाना खाने के लिए प्रेरित करते थे.

फिजिकल एक्टीविटीज को दें रूटीन में जगह

अगर आपके पास समय नहीं है कि आग योग या जिम में जाकर वर्कआउट करें तो इसकी जगह पर आप सुबह या शाम वॉक पर या साइकलिंग पर जा सकते हैं. इससे आपका शरीर स्वस्थ्य रहता है. आप चाहें तो डांस को भी अपने रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं.

जीवन का पर्पज होना है जरूरी

अगर आपकी इमोशनल हेल्थ ठीक है तो आप अपनी लाइफ को अच्छे से जी पाते हैं. जापान में एक कॉन्सेप्ट है जिसे इकीगाई कहा जाता है इसका मतलब है कि आपके जीवन का क्या पर्पज है, आप इस दुनिया में क्यों है. आप किस तरह से अपने काम, शौक और रिलेशनशिप में खुशी महसूस करते हैं. इससे आपका स्ट्रेस भी कम होता है. भारतीयों को अपने पैशन, फैमिली वेल्यू को फॉलो करने से इमोशनल सेटिस्फेक्शन मिलती है.

ट्रेडिशनल फूड को डाइट में करें शामिल

अगर आप हेल्दी रहना चाहते हैं तो जापान के लोगों की तरह घर के बने हुए खाने को खाएं. आप जंक फूड्स को होमकुकड फूड्स से रिपेल्स कर सकते हैं. इसके लिए दाल, चना, रोटी, चावल, सब्जी, चटनी, अचार को खाएं.

नींद पूरी करें

आप रात को समय पर सोने की आदत डाले. जापान के लोग भले ही काम में कितने ही बिजी क्यों न हो वो अपनी नींद को प्रयोरिटी देते हैं. थकान महसूस होने पर वो पावर नैप भी लेते हैं जिससे उन्हें रिफ्रेस्ड फील हो. इससे आपका दिमाग भी दुरूस्त रहता है.

धीरे धीरे खाना खाएं

जापानी लोग धीरे-धीरे खाने का स्वाद लेकर उसे खाते हैं. जिस वजह से उन्हें बीमारियों का भी खतरा कम हो जाता है. इसलिए उन्हें हार्ट डिसीज और डायबिटीज का खतरा कम रहता है. वहीं भारतीय लोग अक्सर जल्दबाजी में खाना खाते हैं पर आपको खाना खाते वक्त उसे चबाकर, शांति से और स्वाद लेकर ही खाना चाहिए. जिससे आपको भरपूर पोषण मिलें. जापानी लोगों की इन आदतों को फॉलो करके लाइफ को और भी बेहतर बनाया जा सकता है.

7 रुपये की चीज से बालों को बनाएं शाइनी और सिल्की, बस आजमाएं ये तरीके

सिर्फ 7 रुपये में मिलने वाले अंडे से बालों को शाइनी और सिल्की बनाया जा सकता है। इस फूड में मौजूद विटामिन ए, ई, फोलेट और बायोटिन होते हैं जो हमारे बालों को मजबूत और हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। इसे हेयर केयर में शामिल करने के नुकसान बहुत कम है इसलिए दादी-नानी के इस नुस्खे को बेहद कारगर माना जाता है। अंडा हमारी सेहत के साथ-साथ बालों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। अंडे में मौजूद प्रोटीन और विटामिन आपके बालों को मजबूत बनाने में हेल्प करता है।

दरअसल, बालों को लंबा और घना बनाने के लिए बार-बार शैंपू और तेल बदलने की जरूरत नहीं है। बल्कि आप घर पर मौजूद चीजों से ही बालों को सिल्की और शाइनी बना सकती हैं। नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करके आप घने और लंबे बाल पा सकती हैं। इसलिए अंडे को सही तरह से बालों पर लगाया जाएं तो ये हेयर ग्रोथ में हेल्प करता है और बालों को लंबा और घना बनाता है। तो आइए जानते हैं कि आप कैसे अंडे से 4 हेयर मास्क बना सकती हैं जो आपके बालों के लिए फायदेमंद होंगे।

अंडे से बनाएं ये 4 हेयर मास्क

अंडा और दही

हेयर ग्रोथ के लिए आप अंडे में कुछ चीजों को मिलाकर हेयर मास्क तैयार कर सकती हैं। उनमें से एक हैं दही। ये दोनों ही बालों की ग्रोथ और उन्हें सॉफ्ट बनाने में हेल्प करती हैं। इस मास्क को बनाने के लिए 2 अंडे लेकर उसमें ऑलिव ऑयल, दही और शहद को मिला लें। इसे अच्छे से मिक्स करने के बाद बालों पर 30 मिनट के लिए लगा लें फिर किसी माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश कर लें। इसे आपके बाल सिल्की और शाइनी हो जाएंगे।

अंडा और ऑलिव ऑयल

इस हेयर मास्क को बनाने के लिए आपको 2 अंडे में थोड़ा सा ऑलिव ऑयल मिलाना होगा। इन दोनों चीजों को एक साथ मिक्स कर लें। इस हेयर मास्क को करीब आधे घंटे के लिए बालों पर लगाकर रखें फिर हेयर वॉश कर लें। कुछ दिन के इस्तेमाल के बाद से ही आपको असर दिखने लगेगा।

अंडा और केला है फायदेमंद

केले और अंडे से बने हेयर मास्क को लगाना आपके बालों के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसे लगाने से पर्याप्त मॉइश्चर भी मिलता है और बाल सॉफ्ट रहते हैं। इसके लिए अंडे, केले और शहद को मिला लें। अब इस हेयर मास्क को बालों पर लगाएं। इसे लगाने से बाल सॉफ्ट और स्मूद हो जाते हैं।

अंडे और मेथी के दाने है कारगर

अंडे और मेथी के दाने से बने हेयर मास्क को लगाने से डैंड्रफ की समस्या भी कम होती है। इससे बालों को प्रोटीन और विटामिन मिलता है। इसके लिए एक कटोरी में मेथी के दानों को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रख दें। फिर दूसरे दिन इसका पेस्ट तैयार कर लें और इसमें अंडे को मिला लें। फिर बालों पर लगाकर रखें। इससे हेयर फॉल की समस्या से छुटकारा मिलेगा।

बारिश में कीड़ा काट लें तो किन पत्तों को लगाकर नेचुरली ठीक कर सकते हैं

बारिश के मौसम में घर पर साफ-सफाई न होने के कारण कीड़े-मकोड़े आ जाते हैं। कई बार अगर ये स्किन पर काट लें या रेंग जाएं तो खुजली और जलन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। तो इसके लिए आप कई घरेलू तरीकों को अपनाकर निजात पा सकते हैं। तो आइए इस आर्टिकल में जानतें है कि किन चीजों का इस्तेमाल करके आप कीड़ा काटने पर होने वाले इंफेक्शन से छुटाकारा पा सकते हैं

बारिश के मौसम में कई बार घरों में अलग-अलग तरह के कीडे. आ जाते हैं। इस मौसम में मिट्टी, सीलन और गंदगी के कारण अक्सर घर के अंदर कीड़े घुस जाते हैं। काफी बार ऐसा होता है कि कुछ कीड़े अगर काट लें तो खुजली या जलन जैसी समस्याएं होने लगती है। कभी-कभी कीड़ा काटने पर लाल चकत्ते भी निकल आते हैं। अब इस समस्या से घबराने की जगह आप कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल करके इससे निजात पा सकते हैं।

अगर बारिश में कीड़ा काट सें तो आप बर्फ का भी इस्तेमाल कर सकते हैं इससे जलन और खुजली की समस्या कम हो सकती है और इससे आपकी स्किन को भी ठंडक मिलेगी। पर कुछ ऐसे पत्ते भी हैं जिनका इस्तेमाल करके कीड़े के काटने पर जो जहर फैलने का डर होता है वो कम हो जाता है।

तुलसी के पत्तों का करें इस्तेमाल

बरसात के मौसम में घर पर बहुत सारे कीड़े आ जाते हैं। कई बार ध्यान न देने पर ये आपको काट भी लेते हैं। अब ऐसे में अगर आपको किसी बरसाती कीड़े ने काट लिया है तो इससे बचने के लिए आप घर पर मौजूद तुलसी की पत्तियों का भी यूज कर सकते हैं। तुलसी में एंटीबैक्टीरियल, एटी इंफ्लेमेंटरी और एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं जो कीड़े के डंक को मारने का काम करते हैं और स्किन में कीड़े के काटने से जो जहर फैलने का डर होता है उसे भी कम करते हैं। इसके लिए आप तुलसी की पत्तियों को स्किन पर सीधा लगा सकते हैं या उसका रस निकालकर भी लगा सकते हैं। ये कीड़ा काटने के बाद होने वाली खुजली और जलन की समस्या से राहत दिलाता है।

नीम के पत्ते हैं काम की चीज़

नीम में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। इसलिए अगर बारिश के मौसम में आपको कीड़ा काट जाएं तो आप नीम के पत्तों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण होते हैं जो कीड़ा काटने पर होने वाले इंफेक्शन से निजात दिलाने में मदद करते हैं। आप चाहें तो इसके लिए नीम की पत्तियों के रस को उस जगह पर लगा सकते हैं जहां कीड़े ने काटा है। इसके अलावा आप नीम के तेल को भी लगा सकते हैं इससे कीड़े के काटने के बाद होने वाली जलन से छुटकारा मिलता है।

तुलसी और नीम की पत्तियों के अलावा भी कई चीजें हैं जिन्हें आप बारिश के मौसम में कीड़ा काटने पर इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो बर्फ के टुकड़े, एप्पल साइडर विनेगर, एलोवेरा जैसी चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं जो कीड़ा काटने पर होने वाले इंफेक्शन, खुजली और जलन की समस्या से राहत दिलाने में मदद करता है।

EPF में ई-नॉमिनेशन नहीं भरा तो फंस सकता है आपका पैसा! इस तरीके से केवल 2 मिनट में कर सकते हैं अपडेट

EPF में नॉमिनी जोड़ना बेहद जरूरी है। अगर आपने नॉमिनी नहीं जोड़ा और भगवान न करे, आप को कुछ हो गया, तो आपका जमा किया हुआ पैसा आपके परिवार को आसानी से नहीं मिलेगा। नॉमिनी वो इंसान है, जिसे आपकी मृत्यु के बाद EPF का सारा पैसा और उससे जुड़े फायदे मिलेंगे।

कर्मचारी भविष्य निधि यानी EPF, वो स्कीम है जो रिटायरमेंट के लिए पैसे जोड़ने का सबसे पक्का तरीका है। इसमें हर महीने आपकी सैलरी का एक हिस्सा और आपके कंपनी का कुछ पैसा मिलकर जमा होता है। ऊपर से ब्याज भी चढ़ता है, तो रिटायरमेंट तक एक मोटा फंड तैयार हो जाता है। लेकिन इस फंड का फायदा तभी मिलेगा, जब आप इसमें नॉमिनी जोड़ोगे। नहीं तो आपके मरने के बाद आपका पैसा परिवार को मिलने में भारी झमेला हो सकता है। आज हम बताएंगे कि EPF में ई-नॉमिनेशन क्यों जरूरी है और इसे आप कैसे फिक्स कर सकते हैं।

EPF में नॉमिनी जोड़ना क्यों है जरूरी?

EPF में नॉमिनी जोड़ना बेहद जरूरी है। अगर आपने नॉमिनी नहीं जोड़ा और भगवान न करे, आप को कुछ हो गया, तो आपका जमा किया हुआ पैसा आपके परिवार को आसानी से नहीं मिलेगा। नॉमिनी वो इंसान है, जिसे आपकी मृत्यु के बाद EPF का सारा पैसा और उससे जुड़े फायदे मिलेंगे। अगर नॉमिनी नहीं है, तो परिवार को कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं। नॉमिनी जोड़ने से न सिर्फ EPF का पैसा, बल्कि कर्मचारी पेंशन स्कीम (EPS) के तहत मिलने वाली पेंशन भी उसी नॉमिनी को मिलेगी।

ई-नॉमिनेशन कैसे करें?

अब आते हैं असली सवाल पर—ई-नॉमिनेशन कैसे भरना है? ये इतना आसान है कि आप 2 मिनट में निपटा सकते हैं। बस EPFO के पोर्टल पर जाना है और कुछ स्टेप्स फॉलो करने हैं।

EPFO पोर्टल पर जाओः सबसे पहले EPFO Member e-Sewa पोर्टल (https://unifiedportal-mem lepfind-ia lgov lin/) पर जाओ।

लॉगिन करोः अपने UAN (यूनिवर्सल अकाउंट नंबर) और पासवर्ड से लॉगिन कर लो। अगर पासवर्ड भूल गए हो, तो Forgot Password का ऑप्शन है।

Manage टैब में जाओः लॉगिन करने के बाद ऊपर Manage टैब दिखेगा। उसमें E-Nomination का ऑप्शन सिलेक्ट करो।

नया नॉमिनेशन डालोः अब Enter New Nomination पर क्लिक करो। यहां आपको परिवार की घोषणा करनी होगी। मतलब, ये बताना होगा कि आपका परिवार है या नहीं। Yes या No चुन लो।

नॉमिनी की डिटेल्स डालोः नॉमिनी का नाम, रिलेशन, जन्मतिथि, और दूसरी जरूरी जानकारी डालो। साथ ही नॉमिनी की फोटो भी अपलोड करनी होगी।

शेयर तय करोः अगर एक से ज्यादा नॉमिनी हैं, तो हर नॉमिनी का हिस्सा (परसेंटेज) डालो। जैसे, 50%-50% या 70%-30%

सेव करोः सारी डिटेल्स चेक करके Save कर दो।

ई-साइन करोः अब Pending Nomination सेक्शन में जाओ और E-Sign का ऑप्शन चुनो। इसके लिए आपको आधार वर्चुअल ID डालनी होगी।

OTP से वेरिफाई करोः आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर OTP आएगा। उसे डालकर नॉमिनेशन की प्रक्रिया पूरी करो।

इस सभी प्रकिया को सही से करने के बाद आपका आपका नॉमिनेशन रजिस्टर हो जाएगा ।

कौन-कौन बन सकता है नॉमिनी?

अब आते हैं दूसरे सवाल पर EPF का नॉमिनी कौन हो सकता है? EPFO ने इसके लिए कुछ नियम बनाए हैं, जो इस तरह हैं।

पुरुष कर्मचारी के लिए
पत्नी
बच्चे (शादीशुदा या अविवाहित)
माता-पिता
अगर बेटा मर चुका है, तो उसकी पत्नी और बच्चे
महिला कर्मचारी के लिए
पति
बच्चे (शादीशुदा या अविवाहित)
माता-पिता
अगर बेटा मर चुका है, तो उसकी पत्नी और बच्चे
यानी, परिवार के करीबी लोग ही नॉमिनी बन सकते हैं।

एक से ज्यादा नॉमिनी जोड़ सकते हैं?

हां, बिल्कुल! आप एक से ज्यादा नॉमिनी जोड़ सकते हैं और हर नॉमिनी का हिस्सा अलग-अलग तय कर सकते हैं। जैसे, अगर आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी को 60% और बच्चों को 40% मिले, तो वो भी सेट कर सकते हैं।बस हिस्से का परसेंटेज साफ-साफ डालना होगा।

नॉमिनी को पैसा कैसे मिलेगा?

अगर, ना चाहते हुए भी, EPF सदस्य की मृत्यु हो जाती है, तो नॉमिनी को पैसा निकालने के लिए कुछ दस्तावेज जमा करने होंगे। ये प्रक्रिया थोड़ी पेपरवर्क वाली है, लेकिन नॉमिनी के लिए पैसा पाना आसान हो जाता है। जरूरी दस्तावेज ये हैंः

मृत्यु प्रमाण पत्रः EPF सदस्य का डेथ सर्टिफिकेट।

नॉमिनी का पहचान पत्रः आधार, पैन या कोई और सरकारी ID

बैंक पासबुकः नॉमिनी के बैंक अकाउंट की डिटेल्स।

उत्तराधिकार प्रमाण पत्रः अगर कोई नॉमिनी नहीं है, तो ये चाहिए।

Indemnity Bondः ये एक तरह का लीगल डॉक्यूमेंट है, जो ये सुनिश्चित करता है कि पैसा सही इंसान को मिल रहा है।

शपथपत्र और दो गवाहः कुछ मामलों में ये भी मांगा जा सकता है।

इन दस्तावेजों के साथ नॉमिनी को Form 20 भरकर PF कार्यालय में जमा करना होगा। इसके बाद पैसा नॉमिनी के अकाउंट में ट्रांसफर हो जाएगा।

58 साल के हुए देश की सबसे अमीर बेटी के पापा, ऐसे बनाया अरबों का अंपायर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज उद्योगपति और आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला आज 14 जून 2025 को 58 साल के हो गए। वह न केवल एक सफल कारोबारी हैं, बल्कि देश की सबसे अमीर बेटी अनन्या बिड़ला के पिता भी हैं। बेहद कम उम्र में जब उन्होंने ग्रुप की कमान संभाली, तब शायद ही किसी को अंदाजा रहा होगा कि आने वाले तीन दशकों में वह इस विरासत को कितनी ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

28 की उम्र में संभाली कंपनी

कुमार मंगलम बिड़ला ने साल 1995 में केवल 28 वर्ष की उम्र में आदित्य बिड़ला ग्रुप की बागडोर संभाली थी। यह वह दौर था जब उनके पिता आदित्य विक्रम बिड़ला का आकस्मिक निधन हुआ था। परिवार, इंडस्ट्री और ग्रुप के अंदर कई लोगों को संदेह था कि इतनी कम उम्र का यह युवक इतने बड़े साम्राज्य को कैसे संभालेगा। लेकिन कुमार ने अपने विजन, समझदारी और साहस से न केवल ग्रुप को संभाला, बल्कि उसे कई गुना बढ़ा दिया।

आज अरबों का टर्नओवर

जब उन्होंने ग्रुप की कमान संभाली, उस समय इसका सालाना टर्नओवर करीब 15,000 करोड़ रुपये था। लेकिन आज यह बढ़कर 4।5 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा हो चुका है। यानी उन्होंने ग्रुप का कारोबार लगभग 30 गुना बढ़ा दिया है।

कुमार मंगलम बिड़ला के नेतृत्व में ग्रुप ने सेमेंट, मेटल्स, फाइबर, केमिकल्स, टेलीकॉम, फाइनेंस, रिटेल और एडटेक जैसे तमाम क्षेत्रों में विस्तार किया। UltraTech Cement, Aditya Birla Capital, Vodafone Idea और Birla Institute of Technology & Science (BITS Pilani) जैसे ब्रांड्स आज देश-दुनिया में पहचान बना चुके हैं।

कुमार मंगलम का प्रबंधन स्टाइल सधा हुआ, शांत और बेहद रणनीतिक माना जाता है। उन्होंने परंपरा और नवाचार का एक ऐसा संतुलन साधा, जिससे ग्रुप पुरानी विरासत को भी बनाए रख सका और नई तकनीक और मार्केट ट्रेंड्स को भी अपनाता रहा।

सबसे अमीर बेटी के पापा

आज उनकी बेटी अनन्या बिड़ला भी एक सफल बिजनेसवुमन, सिंगर और उद्यमी हैं। हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वह भारत की सबसे अमीर युवा महिला बन चुकी हैं। इसमें कोई शक नहीं कि इसके पीछे उनके पिता की सोच और समर्थन की अहम भूमिका रही है।

कुमार बिड़ला को देश-विदेश में कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वह IIT दिल्ली, IIM अहमदाबाद और BITS पिलानी जैसे संस्थानों से जुड़े रहे हैं और शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय है।

उनका यह 58वां जन्मदिन न केवल उनकी उम्र का एक पड़ाव है, बल्कि उस सफर की कहानी भी है, जिसमें उन्होंने न सिर्फ एक बिखरते हुए साम्राज्य को संजोया, बल्कि उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज वह उन चुनिंदा उद्योगपतियों में हैं जिनकी गिनती भारत के सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट लीडर्स में होती है।

24 घंटे में ही तुर्किए ने दिखा दी औकात, ईरान से कहा- मान लो अमेरिका की बात

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के ईरान पर भीषण हमलों के बीच तुर्किए ने अपना रुख साफ कर दिया है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने शुक्रवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से शुरू की गई बातचीत की प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना चाहिए।

उन्होंने इस बैठक में कहा कि यही एकलौता रास्ता है जिससे इस टकराव को खत्म किया जा सकता है। उन्होंने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, जंग का कोई विकल्प नहीं है, सिर्फ कूटनीति ही रास्ता है।

गाज़ा को न भूले दुनिया: तुर्की का ताना इजराइल को

हाकन फिदान ने साफ किया कि ईरान-इज़राइल की तनातनी के बीच दुनिया को गाज़ा में हो रहे नरसंहार से नजरें नहीं चुरानी चाहिए। उन्होंने कहा है कि हमारे क्षेत्र में बढ़ता तनाव गाजा में हो रहे जनसंहार से ध्यान भटकाने का बहाना नहीं बनना चाहिए।

फिदान की यह टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच ओमान की मध्यस्थता में रविवार को एक अहम बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन इजराइली हमले के बाद इस बातचीत का होना अब संदेह के घेरे में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पहले ही कह चुके हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे, और संभव है कि उसे अमेरिका के साथ परमाणु समझौते का एक और मौका मिले।

एर्दोआन खुद रख रहे हैं नजर

तुर्की विदेश मंत्री ने बताया कि राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोआन खुद शुरुआत से हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उनके निर्देशों के मुताबिक तुर्किए की एजेंसियां हर संभावित परिस्थिति के लिए तैयारियां कर रही हैं। फिदान ने इजराइल को लताड़ते हुए कहा, गाज़ा में मानवता की हत्या, लेबनान को अस्थिर करना, सीरिया पर चढ़ाई और अब ईरान को निशाना बनाना इजराइल को यह क्षेत्र को बर्बाद करने की रणनीति तुरंत छोड़नी चाहिए। फिदान ने इराक और जॉर्डन के विदेश मंत्रियों फुआद हुसैन और अयमान सफादी से फोन पर बातचीत की। इन वार्ताओं का मकसद पूरे वेस्ट एशिया में तनाव को कूटनीतिक तरीके से संभालना है।

ईरान में हर पल मौत की दस्तक... परमाणु ठिकानों से लीक हो रहे न्यूक्लियर रेडिएशन से मचेगी तबाही

ईरान. ईरान के न्यूक्लियर ठिकाने पर हमले के बाद देश में हर पल मौत दस्तक दे रही है, बेशक ईरान परमाणु रेडिएशन लीक होने से इन्कार कर रहा हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की ओर से यूएन को जानकारी दी गई है वह रूह कंपा देने वाली है। ईरान के नतांज परमाणु ठिकाने पर एक दिन पहले इजराइल ने हमला किया था। ईरान ने कहा था कि यह हमला महज सतह पर हुआ है और इससे नयूक्लियर रेडिएशन लीक होने की संभावना नहीं है। हालांकि अब अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी IAEA के प्रमुख रॉफेल ग्रॉसी ने ईरान के इस झूठ से पर्दा उठाया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को जानकारी दी है कि ईरानी परमाणु संयंत्र पर इजराइल के हमले के बाद बाहरी तौर पर तो नहीं, लेकिन आंतरिक न्यूक्लियर रेडिएशन हो रहा है।

IAEA चीफ ग्रॉसी ने कहा कि इजराइल ने ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर हमला कर उसके ऊरी हिस्से को नष्ट कर दिया है, इस हमले से जमीन के अंतर स्टोर किए गए यूरेनियम संवर्धन को किसी तरह का नुकसान पहुंचने की संभावना नहीं है, लेकिन फिर भी साइट पर नयूक्लियर रेडिएशन शुरू हो गया है। उनके मुताबिक हमले में बिजली सप्लाई प्रभावित हुई है, हो सकता है इससे सेंट्रीफ्यूज प्रभावित हुए हों और उसी वजह से लीकेज हो रहा है।

IAEA ने कहा कि नताज परमाणु केंद्र के आसपास बाहर तो अभी तक ये रेडिएशन नहीं पहुंचता है, लेकिन आंतरिक तौर पर लगातार इसमें बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि ग्रॉसी ने कहा कि अगर अभी उचित प्रबंध किए जाएं तो इसके खतरे को टाला जा सकता है। उन्होंने IAEA बोर्ड ऑफ गर्वनर्स को बताया कि उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने के लिए कहा है। ग्रॉसी ने कहा कि अगर इस तरह की कार्रवाई जारी रही तो वह ईरान के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकते हैं। ईरान के परमाणु संयंत्रों को जमींदोज करने के लिए इजराइल की ओर से राइजिंग लॉयन अभियान चलाया गया था। इस अभियान का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पटरी से उतारना ही है। इस अभियान के तहत ईरान में कई परमाणु और सैन्य स्थलों पर हमले किए गए। इजराइली सेना के मुताबिक इस हमले को अंजाम देने के लिए 200 से अधिक लड़ाकू विमान तैनात किए गए थे। हमले में आईआरजीसी के कमांडर हुसैन सलामी और खामेनेई के प्रमुख सलाहकार अली शमखानी भी मारे गए थे।

ग्रॉसी ने कहा कि ये चिंताजनक

ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन की ओर से दावा किया गया है कि किसी तरह का रिसाव नहीं हुआ है, ईरान के प्रवक्ता बेहरोज कमालवंदी ने कहा कि सब ठीक है और जल्द ही इसका संचालन फिर शुरू होगा। हालांकि ग्रॉसी ने कहा कि ईरानी अधिकारियों ने कई परमाणु केंद्रों के प्रभावित होने की जानकारी दी है। उन्होंने ये भी कहा कि ये घटनाक्रम बेहद चिंताजनक है। किसी भी दशा में किसी भी देश की परमाणु सुविधाओं को निशाना नहीं बनाना चाहिए।

ईरान के लिए इजराइल से जंग लड़ेगा पाकिस्तान? रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दिए संकेत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान इजराइल के खिलाफ जंग में ईरान का साथ दे सकता है. रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इसके संकेत दिए हैं। आसिफ ने पूरी दुनिया के मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। आसिफ के मुताबिक अगर अभी एकजुट नहीं हुए, तो इजराइल ऐसे ही सबके साथ करेगा।

पाकिस्तानी पत्रकारों से बात करते हुए रक्षा मंत्री आसिफ ने कहा कि ईरान पर जिस तरीके से हमला किया गया है, वो गलत है। हम ईरान के साथ खड़े हैं और इस हमले की निंदा करते हैं।

मुसलमानों के एक होने का वक्त

ख्वाजा आसिफ ने आगे कहा कि गाजा में नरसंहार ने सभी मुस्लिम देशों के बीच एकता की मांग करता है। अगर अभी सभी देश एकजुट नहीं होते हैं तो आगे कुछ नहीं हो पाएगा।

आसिफ के मुताबिक अब समय आ गया है कि हम एक आम दुश्मन का सामना करने के लिए एक साथ खड़े हों। यह आम दुश्मन इजराइल है। इजराइल को अगर अभी नहीं मारा गया तो आगे और भी मुसलमान मरेंगे।

खामेनेई ने लगाई थी शहबाज की फटकार

शहबाज शरीफ पिछले दिनों ईरान दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई से मुलाकात की थी। खामेनेई ने इस दौरान इजराइल के खिलाफ न बोलने को लेकर पाकिस्तान की फटकार लगाई थी। खामेनेई का कहना था कि मुस्लिम देश होकर भी अगर पाकिस्तान चुप है, तो यह गलत है। खामेनेई का कहना था कि पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं और अगर वो इजराइल के खिलाफ लड़ने की बात करता है तो इससे यहूदी शासन डरेंगे। हालांकि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उस वक्त कोई टिप्पणी नहीं की थी।

ईरान-इजराइल में जंग जैसे हालात

शुक्रवार (13 जून) को इजराइल ने ईरान पर स्ट्राइक किया था। इसके बाद ईरान ने तेल-अवीव पर 200 मिसाइलें दागीं। ईरान के इस पलटवार के बाद कहा जा रहा है कि दोनों देशों में जंग छिड़ सकता है। अमेरिका ने शांति समझौते के लिए सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से संपर्क साधा है। सलमान के ईरान और इजराइल दोनों से रिश्ते बेहतरीन है।

ईरान पर अटैक के तुरंत बाद एक्टिव हुए किम जोंग उन, दे दिया बड़ा निर्देश

उत्तर कोरिया। ईरान और इजराइल के बीच छिड़ी जंग के बीच अब उत्तर कोरिया में भी हलचल तेज हो गई है। शुक्रवार को जैसे ही इजराइल ने ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमला किया, उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन भी एक्टिव हो गए। उन्होंने फौरन अपने देश की हथियार फैक्ट्रियों का दौरा किया और गोला-बारूद उत्पादन को लेकर बड़ा आदेश दे डाला।

किम ने अधिकारियों से कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए बम और गोले बनाने की रफ्तार और तेज की जाए, क्योंकि अब दुनिया एक आधुनिक युद्ध की ओर बढ़ रही है जहां ताकतवर हथियार ही असली ताकत होंगे। सरकारी मीडिया केसीएनए के हवाले से ये जानकारी सामने आई है।

बम-गोले की फैक्ट्रियों का किया दौरा

किम जोंग उन शुक्रवार को मेटल प्रेसिंग और असेंबली यूनिट्स का निरीक्षण करने पहुंचे। वहां उन्होंने 2025 की पहली छमाही में हुई गोला-बारूद की प्रोडक्शन प्रोग्रेस को चेक किया। इसके बाद अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आधुनिक युद्धों की जरूरतों के हिसाब से ताकतवर गोले बनाने हैं, तो उत्पादन क्षमता में तुरंत इजाफा करना होगा।

बिना आदमी के भी चलें फैक्ट्रियां

किम ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि हथियार फैक्ट्रियों में ऑटोमेशन यानी अनमैन्ड प्रोडक्शन को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर हमें नए और ताकतवर गोले बनाने हैं तो प्रोडक्शन प्रोसेस को और तर्कसंगत बनाना होगा। फैक्ट्रियों को इस तरह डिजाइन करें कि कम से कम इंसानी दखल हो और मशीनें खुद से काम करें।

रूस के साथ दोस्ती और अमेरिका को चेतावनी

पिछले कुछ महीनों में किम जोंग उन लगातार सेना को मजबूत करने की बात कर रहे हैं। खास बात ये है कि इन दिनों उत्तर कोरिया और रूस की दोस्ती काफी गहरी होती जा रही है। मई में आई संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया अब तक रूस को 20 हजार से ज्यादा कंटेनर में हथियार भेज चुका है।

दक्षिण कोरिया पर चुप्पी लेकिन तैयारी पूरी

एक ओर जहां उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तीखे बयान देने से फिलहाल परहेज किया है, वहीं किम लगातार अपनी युद्ध नीति को धार दे रहे हैं। दक्षिण कोरिया में हाल ही में नई सरकार बनी है, लेकिन उत्तर कोरिया की नज़र अब सीधे अमेरिका और पश्चिमी देशों पर है। किम जोंग के बयान और फैसलों ने एक बार फिर एशिया में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

ट्रंप ने 13वीं बार भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम का दावा किया, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री से पूछे सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को एक बार फिर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप विभिन्न मौकों पर 13 बार कह चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। कांग्रेस ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी इन दावों के बारे में कब बोलेंगे। कांग्रेस नेता और पार्टी के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति 13 बार दावा कर चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस पर चुप्पी साधे हुए है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में जयराम रमेश ने विभिन्न रिपोर्ट्स का हवाला देकर बताया कि कब-कब राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने की बात कही। उन्होंने लिखा कि जब भारत अहमदाबाद विमान हादसे के दुख से ग्रस्त है, ऐसे समय में राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान में संघर्ष विराम कराने का दावा किया। इससे पहले कल भी केनेडी सेंटर में उन्होंने ऐसा कहा था। प्रधानमंत्री कब तक इस पर चुप्पी साधे रखेंगे। इससे पहले गुरुवार को जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तानी सेना के प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका के आर्मी डे पर आमंत्रित किया गया है। यह खबर भारत के लिए कूटनीतिक के साथ ही रणनीतिक रूप से भी बड़ा झटका है।'

कांग्रेस नेता का दावा- भारत की कूटनीति को लगे झटके

जयराम रमेश ने कहा कि 'भारतीय कूटनीति को अमेरिका से तीन बड़े झटके लगे हैं। यह हमारी अमेरिकी नीति पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह एक चेतावनी है। पहले अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ शानदार सहयोगी बताया। यह अमेरिका के शीर्ष सैन्य नेतृत्व की तरफ से अजीब बयान है।'

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि 'दूसरा बड़ा झटका असिम मुनीर को 14 जून को आयोजित हो रहे यूएस आर्मी डे के लिए आमंत्रित किया जाना है। ये वही आसिम मुनीर है, जिसने पहलगाम आतंकी हमले से कुछ दिन पहले ही भड़काऊ और विभाजनकारी बयान दिया था। तीसरा झटका अमेरिकी विदेश विभाग का ताजा बयान है, जिसमें उन्होंने फिर से कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम राष्ट्रपति ट्रंप ने कराया।'

मई की शुरुआत में हुआ था भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष

22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसमें भारत ने 7 मई की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए। पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान पर हमला कर उसके कई एयरबेस को तबाह कर दिया। 10 मई को दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (DGMO) के बीच वार्ता के बाद संघर्ष विराम हो गया। ट्रम्प बार-बार दावा करते रहे हैं कि अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान की लड़ाई रुकवाई। हालांकि, भारत लगातार यह कहता रहा है कि दोनों सेनाओं के DGMO के बीच सीधी बातचीत के बाद पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम हुआ और इसमें किसी भी तीसरे देश ने दखल नहीं दिया।

यूएई से ड्रग्स की फैक्टरी चला रहा था तस्कर, प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया, पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में रहकर ड्रग्स की फैक्टरी चला रहे एक तस्कर को भारत प्रत्यर्पित किया गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) तस्कर का भारत प्रत्यर्पण कराने में सफल रहा। मुंबई पुलिस ने तस्कर को हिरासत में ले लिया है। सांगली मेफेड्रोन निर्माण मामले का आरोपी ताहिर सलीम डोला एक सिंथेटिक दवा निर्माण फैक्टरी चलाता था। पुलिस ने छापेमारी के दौरान यहां से 252 करोड़ रुपये मूल्य का 126.141 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया था। जांच में पता चला कि ताहिर विदेश से फैक्टरी चला रहा था। इसके बाद सीबीआई ने पुलिस के अनुरोध पर इंटरपोल के माध्यम से 25 नवंबर, 2024 को रेड नोटिस प्रकाशित करवाया था।

अफसरों ने बताया कि एनसीबी-अबू धाबी ने 27 जनवरी को सीबीआई को सूचित किया कि ताहिर को यूएई में गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद मुंबई पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के माध्यम से यूएई को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा था। सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) एनसीबी-अबू धाबी के सहयोग से ताहिर को गुरुवार को भारत लेकर आई। शुक्रवार को डोला को दुबई से उड़ान संख्या एआई-984 से छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर लाया गया। अधिकारी ने बताया कि उसे मुंबई अपराध शाखा की हिरासत में दे दिया गया है। आरोपी से ड्रग्स की तस्करी के बारे में पूछताछ की जाएगी। उसे जल्द ही कोर्ट के सामने पेश किया जाएगा। मेफेड्रोन ड्रग को कोड नाम के तहत 'म्याऊं-म्याऊं' कहा जाता है। मेफेड्रोन कोई दवा नहीं, बल्कि पौधों के लिए बनी सिंथेटिक खाद है, लेकिन इसका सेवन करने से हेरोइन और कोकीन से भी ज्यादा नशा होता है। नशे के कारोबारी इसकी खपत के लिए कॉलेजी छात्र-छात्राओं तथा पार्टी में जाने वाले युवाओं को निशाना बनाते हैं। 'म्याऊं-म्याऊं' के सौदागर फेसबुक प्रोफाइल पर ऐसे युवाओं को तलाशते हैं, जो पार्टी या क्लब में जाना पसंद करते हैं। यह ड्रग बहुत ही सस्ता है। दूसरे ड्रग्स की तरह ही मेफेड्रोन से भूख, मांसपेशियों में खिंचाव, शरीर कांपना, सिरदर्द, घबराट, हाई ब्लड प्रेशर, पेशाब में कठिनाई, शरीर के तापमान में बदलाव और हाथ नील पड़ने जैसे दुष्प्रभाव होते हैं।

एअर इंडिया विमान के यात्री से वसूली के आरोप पर गृह मंत्रालय का जवाब, कहा– वीजा खत्म होने का शुल्क लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद से हादसे का शिकार हुए एअर इंडिया विमान के यात्री से वसूली किए जाने के आरोपों पर गृह मंत्रालय ने जवाब दिया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि यात्री का वीजा खत्म हो गया था। इसलिए शुल्क वसूला गया। हादसे में मृत यात्री के रिश्तेदार ने अहमदाबाद आव्रजन अधिकारियों पर वसूली का आरोप लगाया था।

गृह मंत्रालय ने कहा कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत यात्री के एक रिश्तेदार ने आरोप लगाया था कि

यात्री के परिवार से विमान में चढ़ने के लिए इमिग्रेशन अधिकारी को 1000 पाउंड जुर्माना वसूल किया गया। इस मामले की जांच के बाद सामने आया कि यात्री मास्टर रुद्र किशन मोधा ने समय पर वीजा शुल्क और जुर्माना नहीं जमा किया था। इसके लिए उनसे कुल राशि लगभग 91,150 रुपये लिए गए। यात्रियों को निकास परमिट देने में उचित प्रक्रिया का पालन किया गया।

गृह मंत्रालय ने बताया कि यात्री मास्टर रुद्र किशन मोधा ब्रिटिश पासपोर्ट धारक थे। उनकी जन्मतिथि 22 अगस्त 2023 थी। जबकि यूके पासपोर्ट जारी होने की तिथि 10 अप्रैल 2024 थी। इस हिसाब से यात्री रुद्र भारत में अधिक समय यानि एक साल दो महीने और दो दिन रहे। एक वर्ष से अधिक समय के लिए यूके पासपोर्ट वीजा शुल्क 484 डॉलर है। भारतीय रुपयों में यह 484*85 यानि 41,140 रुपये होता है। जबकि 90 दिनों से अधिक के लिए जुर्माना 50,000 रुपये तय है। इसलिए वीजा शुल्क 41,140 रुपये और जुर्माना 50,000 रुपये जोड़कर कुल 91,140 रुपये लिए गए थे। इसके बाद बच्चे का निकास परमिट जारी किया गया था।

अमिताभ की फिल्म ठुकराकर खूब रोई थीं तब्बू, मामी ने कहा था- चप्पल निकालकर मारूंगी

तब्बू ने अपनी बड़ी बहन फराह नाज की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। फराह नाज ने 80 और 90 के दशक में कई फिल्मों में काम किया था। ऐसे में बहन को देखते हुए तब्बू ने भी बॉलीवुड में जाने का फैसला लिया और वो एक्ट्रेस बन गईं। तब्बू ने बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर का आगाज 'पहला पहला प्यार' से किया था। लेकिन उन्हें बड़ी पहचान उसी साल रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म 'विजयपथ' से मिली थी

तब्बू की गिनती बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर होती है। उनके खाते में कई शानदार फिल्में आई हैं। हालांकि वो कई बेहतरीन फिल्मों को रिजेक्ट भी कर चुकी हैं। ऐसी ही एक फिल्म थी अमिताभ बच्चन की 'बागबान'। मेकर्स ने उन्हें हेमा मालिनी वाले रोल के लिए अप्रोच किया था। हालांकि, तब्बू ने इसका ऑफर ठुकरा दिया था। फिल्म की रिलीज के बाद जब तब्बू ने अपनी मामी को ये बात बताई थी तो उन्होंने एक्ट्रेस से कहा था कि, मैं तुम्हें चप्पल से मारूंगी।

तब्बू को मिला था हेमा मालिनी वाला रोल

बागबान साल 2003 में आई थी और बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। इसमें अमिताभ बच्चन ने राज मल्होत्रा नाम का किरदार निभाया था और उनके अपोजिट हेमा मालिनी उनकी पत्नी के किरदार में नजर आई थीं। दोनों दिग्गज सितारे बागवान में चार बच्चों के माता-पिता की भूमिका में थे। फिल्म के डायरेक्टर रवि चोपड़ा की वाइफ रेनू चोपड़ा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि पहले हेमा मालिनी वाला रोल तब्बू को ऑफर किया था, लेकिन उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया।

कहानी सुनकर खूब रोई थीं तब्बू

रेनू चोपड़ा ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में बताया था कि पहले हमने तब्बू को लेने का फैसला लिया था। उन्हें कहानी सुनाई तो वो खूब रोईं। तब मुझे किसी ने बताया था कि अगर तब्बू किसी पिक्चर की कहानी सुनने के बाद रोती हैं तो वो उस फिल्म में काम नहीं करती हैं। बताया जाता है कि बड़े पर्दे पर तब तब्बू चार बच्चों की मां का किरदार नहीं निभाना चाहती थीं और फिल्म में काम न करने को लेकर उन्होंने रवि चोपड़ा से माफी भी मांगी थी।

मामी ने कहा था- चप्पल से सिर पर मारूंगी

रेनू ने ये भी बताया था कि बागबान की रिलीज के बाद तब्बू अपनी मामी के साथ इसे देखने गई थी। तब एक्ट्रेस ने अपनी मामी से कहा था कि पहले ये पिक्चर उन्हें ऑफर हुई थी। ये सुनते ही उनकी मामी भड़क गई थीं और कहा था- ये चप्पल निकालकर तुम्हारे सिर पर मारूंगी। तुमने इस फिल्म के लिए मना क्यों किया?

बागबान ने की थी इतनी कमाई

बागबान में अमिताभ और हेमा के साथ सलमान खान, महिमा चौधरी, रिमी सेन, अमन वर्मा, परेश रावल, साहिल चड्ढा और समीर सोनी जैसे कलाकार भी थे। 12 करोड़ के बजट में बनी बागबान 42 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाकर बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी।

गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं बिग बॉस विनर सना मकबूल, 30वें जन्मदिन पर शेयर किया ऐसा पोस्ट

टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने पिछले महीने अपने लीवर कैंसर की जानकारी दी थी। अब बिग बॉस ओटीटी विनर सना मकबूल ने भी अपने लीवर से जुड़ी बीमारी पर खुलकर बात की है। सना पिछले कई साल से गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। वहीं उन्होंने इस बीमारी से हार न मानने की बात कही है।

छोटे पर्दे की जानी-मानी एक्ट्रेस सना मकबूल हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 जीतने के बाद उनकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हो चुका है। एक्ट्रेस कई टीवी शोज में अहम किरदार निभाती हुई नजर आ चुकी हैं। सना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैन्स के साथ आए दिन नए-नए पोस्ट शेयर करती रहती हैं। बीते दिनों सना ने अस्पताल से अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। अब एक्ट्रेस ने अपनी गंभीर बीमारी को लेकर खुलकर बात की है।

सनी मकबूल ने बीते दिन अपना 30वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उनके बर्थडे पोस्ट के कैप्शन में हिम्मत, मजबूती और ताकत जैसे शब्दों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। एक्ट्रेस ने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत की और अपनी लीवर सिरोसिस की बीमारी के बारे में भी बताया। सना का कहना है कि वो ट्रांसप्लांट करवाने से बचना चाहती हैं और वो इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हैं। एक्ट्रेस की फिलहाल इम्यूनोथैरेपी जारी हैं। इस ट्रीटमेंट से उन्हें काफी थकान महसूस होती है।

मैं हार नहीं मानूंगी – सना मकबूल

सना ने कहा, "मैं चाहती हूं, बस जल्दी ठीक हो जाऊं, यह आसान काम नहीं है लेकिन मैं हार नहीं मानूंगी।" बीते दिनों भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में एक्ट्रेस पहुंची थीं, तब उन्होंने अपनी इस बीमारी के बारे में बात की थी। उन्होंने वहां बताया था कि साल 2020 उन्हें अपनी इस बीमारी के बारे में जानकारी मिली। इस बीमारी के उन्हें कोई लक्षण नजर नहीं आए थे, लेकिन उन्होंने उनके बॉडी सेल्स, बॉडी आर्गेन पर अटैक करना शुरू कर दिया।

बर्थडे पर सना मकबूल ने शेयर किया खास पोस्ट

सना मकबूल की मानें तो उन्हें लीवर को लेकर दिक्कत है, जिसके चलते उन्होंने शुरुआत से ही अपने खानपान में काफी बदलाव किया है और वो सबकुछ छोड़ अब पूरी तरह से विगन बन चुकी हैं। अपने जन्मदिन के मौके पर सना ने खूबसूरत आउटफिट में कई सारे पोस्ट शेयर किए हैं। अपने कैप्शन के जरिए वो खुद के लिए स्ट्रेंथ, सपोर्ट और दुआएं मांगती हुई नजर आ रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com